अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 245 लखनऊ, बुधवार, 25 मार्च 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

दुनिया का सबसे अच्छा डेमोग्राफिक डिविडेंड यूपी के पास : योगी

निवेश मित्र-3 का शुभारंभ, मुख्यमंत्री योगी ने यूपी में काम कर रहीं कंपनियों को 2781 करोड़ की सब्सिडी हस्तांतरित की

- सीएम बोले- निवेशकों का भरोसा बना प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत, निवेश मित्र 3.0 से उद्योग लगाना होगा आसान और पारदर्शी
- स्ट्रेटेजिक लोकेशन, वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी, और स्किल्ड वर्कफोर्स के साथ मजबूत इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम का एडवांटेज आज उत्तर प्रदेश के पास
- उद्यमी अर्थव्यवस्था की रीढ़, उनकी सुरक्षा व सम्मान सरकार की प्राथमिकता, उद्योगों में बाधा डालने वालों पर हो रही सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दुनिया के कई हिस्सों में जारी अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता और अव्यवस्था के बीच भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश आज निवेश व व्यापार के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इसी विश्वास को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ह्यनिवेश मित्र 3.0ह्ण सिंगल विंडो सिस्टम के

शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रदेश ने बीते 9 वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सख्त कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग-अनुकूल माहौल के जरिए अपनी पहचान को पूरी तरह बदला है। आज उत्तर प्रदेश न केवल निवेशकों के लिए सुरक्षित गंतव्य बना है, बल्कि यहां उन्हें स्केलेबल बिजनेस के लिए अनुकूल इकोसिस्टम, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा मानव संसाधन और सीमलेस कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हो रही हैं। यही कारण है कि जो निवेशक पहले प्रदेश आने से हिचकते थे, आज वही यहां निवेश के लिए आगे आ रहे हैं और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।ग्रामीण विकास

मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के दौरान आयोजित कार्यक्रम में 45 कंपनियों को इंसेंटिव वितरण और 62 कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) प्रदान किए जाने को प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 50,000 करोड़ निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे करीब 50 हजार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

निजी बिजनेस पार्क नीति और स्किल कनेक्ट से बढ़ेगा निवेश व रोजगार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। इसी क्रम में कैबिनेट द्वारा निजी बिजनेस पार्क नीति को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत अब कोई भी निवेशक बिजनेस पार्क विकसित कर प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर उद्योगों को आगे बढ़ा सकेगा। इस मॉडल में सरकारी भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि निवेशक अपना निवेश करेंगे और रेवेन्यू शेयर व्यवस्था के तहत पारदर्शी तरीके से लाभ का बंटवारा होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होगा, जिससे निवेशकों को सुगम और सुरक्षित माहौल मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के एक बड़े हब के रूप में विकसित करने की दिशा में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से पीएमयू कौशल कनेक्ट सेल का गठन किया गया है, जो उद्योगों की जरूरत के अनुसार कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने में मदद करेगा। वहीं, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल के जरिए नए उद्यमियों को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और समर्थन दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सभी उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार एमओयू के बाद तेजी से ग्राउंडब्रेकिंग, निवेश से जुड़े छोटे-छोटे मुद्दों के त्वरित समाधान और उद्योगों के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उद्यमियों का विश्वास ही विकास की असली ताकत है और उस पर खरा उतरते हुए उत्तर प्रदेश को निवेश, रोजगार और औद्योगिक प्रगति का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों का विश्वास ही प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास को मजबूत करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स उपलब्ध है, यहां बड़ी संख्या में कुशल और युवा मानव संसाधन मौजूद है। भारत का ही नहीं, दुनिया का सबसे अच्छा डेमोग्राफिक डिविडेंड यूपी के पास है।

संक्षिप्त

एलपीजी से लदे भारत के दो जहाज नौसेना की निगरानी में होर्मुज किया पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने देश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। सरकार ने एलपीजी की आपूर्ति को सामान्य बताने के साथ ही पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।एलपीजी से भरे हुए भारत के दो जहाज पाइन गैस और जग वसंत नौसेना की निगरानी में भारत की ओर बढ़ रहे हैं और दोनों जहाजों ने सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी रिटेल आउटलेट्स पर काम सामान्य रूप से चल रहा है। हमारे फ्यूल स्टेशनों पर पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कृपया अफ़वाहों पर ध्यान न दें और घबराकर खरीदारी करने से बचें।

ऊर्जा संकट पर प्रधानमंत्री का बयान उलझाने वाला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया संकट पर मंगलवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए वक्तव्य की आलोचना की। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री का 20 मिनट का बयान केवल बातों को उलझाने की कोशिश था, जबकि देश गहरे ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री के बदलते और अलग-अलग कूटनीतिक रवैये से भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का संतुलन बिगड़ गया है। इजराइल दौरे के बाद भारत को स्पष्ट कूटनीतिक परिणामों का सामना करना पड़ा है, लेकिन प्रधानमंत्री ने संसद और देश को भरोसे में नहीं लिया। उन्होंने पूछा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को वापस लाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?

अमेरिका-इजरायल के हमलों में तेहरान में अब तक 600 लोगों की मौत

तेहरान। इज़रायल और अमेरिका के साथ संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान की राजधानी तेहरान में अब तक 600 से ज़्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इरना समाचार एजेंसी ने सोमवार को तेहरान की आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख मोहम्मद इस्माइल तवक्कोली के हवाले से बताया ''इस दौरान (संघर्ष शुरू होने के बाद से) राजधानी में 636 लोग मारे गए हैं और अब तक 6,848 लोग घायल हुए हैं।

रेलवे के नए टिकट कैंसिलेशन नियम लागू रिफंड सिस्टम हुआ आसान व पारदर्शी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के नियमों को और सरल एवं पारदर्शी बना दिया है। अब यात्रियों को समय रहते अपनी टिकट की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी और रिफंड प्रक्रिया भी पहले से आसान हो गई है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन नए नियमों से यात्रियों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पहल के तहत रेलवे में व्यापक सुधारों की घोषणा करते हुए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड नियमों में बड़े बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन

सुधारों का उद्देश्य अंतिम समय की सट्टेबाजी बुकिंग पर रोक लगाना, वास्तविक यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराना और पारदर्शिता बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि चार्ट बनाने का समय अब 4 घंटे से बढ़ाकर 9 से 18 घंटे पहले कर दिया गया है। इससे यात्रियों को पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कन्फर्म हुई है या नहीं और वे समय रहते निर्णय ले सकेंगे।

नए कैंसिलेशन नियमों के तहत यदि कोई यात्री ट्रेन छूटने से 72 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे न्यूनतम निर्धारित कटौती के बाद रिफंड मिलेगा। 72 से 24 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर किराये का 25 प्रतिशत (न्यूनतम शुल्क के अधीन) काटा जाएगा। 24 से 8 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर किराये का 50 प्रतिशत (न्यूनतम शुल्क के अधीन) कटेगा। यदि टिकट ट्रेन छूटने से 8 घंटे से कम समय में रद्द किया जाता है, तो रिफंड नहीं मिलेगा या बहुत सीमित परिस्थितियों में ही अनुमति होगी।

रेलवे ने रिफंड प्रक्रिया को भी पूरी तरह आसान बना दिया है। अब ई-टिकट के लिए टीडीआर भरने की जरूरत खत्म कर दी गई है और टिकट रद्द होते ही रिफंड अपने आप प्रोसेस हो जाएगा।

हर स्रोत से तेल-गैस जुटा रहा भारत, शांति ही समाधान: मोदी

- पश्चिम एशिया संकट का असर लंबे समय तक रहने की आशंका, हर परिस्थिति के लिए रहना होगा तैयार: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भारत हर संभव स्रोत से कच्चा तेल और गैस जुटाने में लगा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य फोकस देश में ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के साथ-साथ कूटनीति के जरिए क्षेत्र में शांति बहाल करना है, क्योंकि लंबे समय तक जारी यह संकट गंभीर वैश्विक और आर्थिक दुष्परिणाम

ला सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही वैश्विक व्यापार मार्गों पर भी दबाव बढ़ा है, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के फंसने से स्थिति और जटिल हो गई है।

उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रह रहे हैं, जिनकी सुरक्षा और आजीविका सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से भी 1,000 से अधिक भारतीयों की वापसी हुई है, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हैं। हालांकि, कुछ भारतीयों की मृत्यु और घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है।

ट्रंप ने मोदी को किया फोन, पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में पिछले 25 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर विस्तृत चर्चा की और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों को लेकर संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें फोन कर पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर बातचीत की।

ईसाई या अन्य धर्म अपनाने पर नहीं मिलेगा अनुसूचित जाति का लाभ : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म को अपनाने वाले ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। ईसाई या किसी दूसरे धर्म को अपनाने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं मिलेगा। जस्टिस पीके मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने साफ कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाले दलित को एससी-एसटी एक्ट का लाभ नहीं मिलेगा। उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मई 2025 के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें

कहा गया था कि जो व्यक्ति ईसाई धर्म अपना चुका है और सक्रिय रुप से उसका पालन करता है, वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रह सकता है। आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले को पादरी चिंथदा ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। पादरी चिंथदा ने आरोप लगाया था कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी और अन्य लोगों की ओर से जातिगत भेदभाव किया गया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने एससी-एसटी एक्ट के तहत उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इसी एफआईआर को निरस्त करने के लिए याचिकाकर्ता ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने एफआईआर इस आधार पर निरस्त कर दी थी कि पादरी ने ईसाई धर्म परिवर्तन के बाद अपने एससी वाले स्टेटस को खो दिया। इसलिए वो एससी-एसटी एक्ट के तहत संरक्षण का दावा नहीं कर सकते।

तेरह साल से कोमा में पड़े हरीश राणा को मिली इच्छामृत्यु, एम्स में ली अंतिम सांस

- 13 साल पहले एक हादसे के बाद कोमा में चले गए थे हरीश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)

में निधन हो गया।

एम्स ने जारी एक बयान में कहा कि हरीश राणा ने मंगलवार को शाम 4.10 मिनट पर अंतिम सांसें ली। वे समर्पित चिकित्सकों की टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष, डॉ. (प्रो.) सीमा मिश्रा के नेतृत्व में पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट (आईआरसीएच) में भर्ती कराया गया था। एम्स ने हरीश राणा के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

दिल्ली सरकार ने पेश किया 1.03 लाख करोड़ का बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जो पिछले वर्ष से 3700 करोड़ अधिक है। इस बार बजट की थीम 'ग्रीन बजट' रखी गई है, जिसमें विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि अब दिल्ली मुफ्त सुविधाओं के कल्चर से बाहर निकलकर बुनियादी ढांचे और पर्यावरण पर निवेश कर रही है। दिल्ली सरकार के 1,03700 करोड़ रुपये के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 (18.64 फीसद), चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य 13,034 (12.57 फीसद), परिवहन, सड़कें एवं पुल 12,613 (12.16 फीसद), आवास एवं शहरी विकास 11,572 (11.16 फीसद), सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण 10,537 (10.16 फीसद), जल आपूर्ति एवं स्वच्छता 9000 (8.68 फीसद), सार्वजनिक ऋण 4,254 (4.10 फीसद), ऊर्जा 3,938 (3.80 फीसद), ब्याज भुगतान 2,734 (2.64 फीसद), कृषि, ग्रामीण विकास और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण के लिए 1,777 (1.71 फीसद) अन्य 14,915 (14.38 फीसद) शामिल है। बजट में पर्यावरण (21 फीसद हिस्सा), विकास, महिला समृद्धि योजना (2500 का प्रावधान) और बुनियादी ढांचे (पीडब्ल्यूडी के लिए 5921 करोड़ रुपये) पर मुख्य फोकस है। बजट में 70.3 फीसद राजस्व और 29.7 फीसद पूंजीगत व्यय है। बजट की प्रमुख बातें - पर्यावरण और हरित परियोजनाओं के लिए कुल बजट का 21 फीसद आवंटित किया गया है। इस बजट की हर नीति में पर्यावरण, हर योजना में प्रकृति और हर निर्णय में भविष्य की पीढ़ियों की चिंता समाहित है इसलिए हमने पूरे बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन बजट के लिए आवंटित किया है।

अब कामनवेल्थ में यूपी ही देश को लीड करेगा : सीएम

- मुख्यमंत्री योगी ने यूपी का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित किया, दिये नियुक्ति पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। जबकि विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को वीरवर लक्ष्मण पुरस्कार व रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल गिरना, उठना और जीतना सिखाता है। प्रदेश सरकार खिलाडियों और खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए पूरा खजाना खोल दिया है अब तक 200 करोड़ रुपये पुरस्कार में दिए जा चुके हैं। इन सुविधाओं से तय है कि अब अहमदाबाद में प्रस्तावित कामनवेल्थ गेम्स में उप्र के खिलाड़ी देश को लीड करेंगें।लखनऊ के

लोकभवन सभागार में मंगलवार को अपराह्न आयोजित कार्यक्रम में खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी अतिथियों व खिलाड़ियों का स्वागत किया। खेल सुविधाओं पर आधारिक डाक्यूमेंट्री की प्रस्तुति के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के साथ अपना सम्बोधन शुरु किया।

उन्होंने समारोह में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रदान किए जाने वाले वीरवर लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार की चर्चा करते हुए कहा कि वीरवर लक्ष्मण का नाम लेते हैं तो लक्ष्मण जी अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के पर्याय हैं। जबकि रानी लक्ष्मीबाई नारी की गरिमा, स्वावलम्बन और तेज का पर्याय हैं। उन्होंने 1857 में आजादी के प्रथम समर में झांसी राज्य को अंग्रेजों की दास्ता से मुक्त कराया था। खिलाड़ियों की बढ़ेगी प्रोत्साहन राशिमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह में कहा कि खिलाड़ियों को दी जाने वाली राशि कम है। इसे बढ़ाकर कम से कम 10 लाख करने की जरूरत है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस आशय का प्रस्ताव बनाने के लिए निर्देशित किया ताकि अगले वर्ष बढ़ी हुई प्रोत्साहन राशि मिल सके।

दो नवरात्र में मातृशक्ति की पूजा होती हैमुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय वासंतिक नवरात्र है और इसमें मातृशक्ति की पूजा की जाती है। साल में दो नवरात्र शारदीय व वासंतिक नवरात्र होते हैं। दोनों पर्व मातृशक्ति के पूजन और श्रद्धा के प्रतीक हैं।

भारत में तो सनातन धर्म ही कहता है कि ''यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता'' जिसका अर्थ है कि जहाँ स्त्रियों का सम्मान और आदर होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं और प्रसन्न रहते हैं। इसलिए जो मातृशक्ति की पूजा करता है, उसका सतत विकास होना ही है।

नवनिर्माण के नौ वर्ष : स्वास्थ्य सेवाओं में उत्तर प्रदेश बना देश में अग्रणी

- सरकार ने 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किये
- डिजिटल हेल्थ में यूपी ने बनाया रिकॉर्ड, माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट में भी प्रथम स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। राज्य सरकार ने इस दौरान न केवल आधारभूत ढांचे को मजबूत किया, बल्कि डिजिटल हेल्थ, आपात सेवाओं, मातृ-शिशु देखभाल समेत स्वास्थ्य सेवा के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश आज कई स्वास्थ्य मानकों पर देश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है।

सरकारी प्रवक्ता का कहना है कि राज्य सरकार ने प्रदेश में डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किए हैं। माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट के तहत 35 माइक्रोसाइट्स का संचालन किया जा रहा है, जहां 4.4 लाख से अधिक रिकॉर्ड पंजीकृत कर प्रदेश ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल के माध्यम से रोगों की निगरानी और रोकथाम को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यक्षमता पर नजर रखने के लिए 'केयर मॉडल' लागू किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड के लिए ई-वाउचर की सुविधा दी गई है। जननी सुरक्षा योजना के तहत 13,51,044 लाभार्थियों को लाभ मिला है, जबकि बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 8,79,642 बच्चों का उपचार किया गया है। दस्तक अभियान के जरिए एईएस-जेई जैसी बीमारियों के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 22,681 आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर संचालित हैं। आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के तहत 13.18 करोड़ से अधिक लोगों का पंजीकरण किया गया है। हेल्थ प्रोफ़ेशनल रजिस्ट्री में 81,615 से अधिक पंजीकरण कर प्रदेश देश में अग्रणी बना है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 1.31 करोड़ परिवारों के 5.59 करोड़ लाभार्थियों के कार्ड बनाए गए हैं। 9 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क

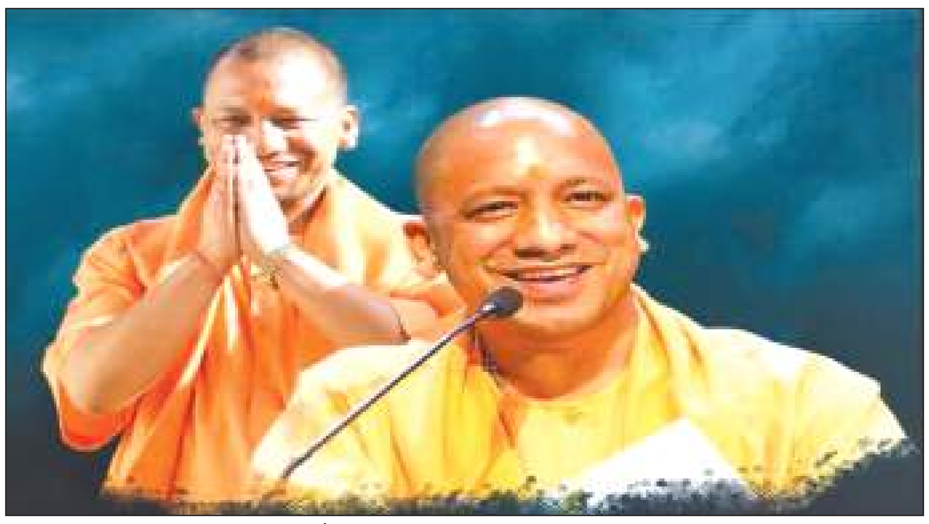

चिकित्सा सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 7.34 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत 50.64 लाख परिवारों के 1.50 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई है। स्वास्थ्य अवसंरचना के विस्तार में भी प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। सभी जिलों में 873 जन औषधि केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। 63,407 हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में अब तक 13,353 करोड़ रुपये खर्च कर 81.55 लाख मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जा चुका है। आयुष्मान योजना से जुड़े 6,213 अस्पतालों (2950 सरकारी और 3263 निजी) का नेटवर्क देश में सबसे बड़ा है। आपातकालीन सेवाओं में 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिला है। एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाकर 375 कर दी गई है। एम्बुलेंस सेवाओं की पहुंच और क्षमता में सुधार करते हुए प्रतिदिन की दूरी 60 किमी से बढ़ाकर 120 किमी कर दी गई है। इसके साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के जरिए 1.80 करोड़ से अधिक मरीजों का उपचार किया गया है।

योगी सरकार में प्रदेश में 75 जिलों के अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे 41.46 लाख से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं। जिलों में सीटी स्कैन सेवा शुरू की गई है। दूरदराज के क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन और टेली कंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉर्पोरेशन की स्थापना की, जिससे दवाओं की गुणवत्ता और आपूर्ति में पारदर्शिता आई है। साथ ही, 798 स्वास्थ्य इकाइयों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। खाद्य सुरक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भी प्रदेश ने कदम बढ़ाए हैं। 36 मोबाइल प्रयोगशालाओं के माध्यम से खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। लखनऊ, मेरठ और वाराणसी में माइक्रोबायोलॉजी लैब स्थापित कर खाद्य गुणवत्ता की निगरानी को मजबूत किया गया है। फार्मास्यूटिकल रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए 'प्रमोद फार्म' संस्था की स्थापना भी की गई है। इसके अलावा, प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना लागू की गई है, जिससे उन्हें कैशलेस इलाज की सुविधा मिल रही है। वहीं, विभिन्न विभागों से जुड़े लाखों परिवारों को भी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में शामिल किया गया है।

प्रदेश सरकार द्वारा भूमाफियाओं के विरूद्ध की गई कड़ी कार्यवाही से पीड़ितों को मिला न्याय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जमीन का विवाद सदियों से जगजाहिर रहा है। एक देश दूसरे देश को जीतता था तो उस देश की पूरी भूमि का हक विजेता देश की हो जाती थी। जमीन ऐसी सम्पदा रही जो व्यक्तियों के लिए खाने के लिए अन्न, पशुओं को चारा आदि सभी प्राकृतिक व भौतिक वस्तुओं का उत्पादन करती रही, साथ ही जमीन के मालिकाना हक से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और सामाजिक सम्पन्नता आंकी जाती थी। भूमि की महत्ता हर काल में रही है। आज भी भूमि की बड़ी महत्ता है। वह भूमि चाहे खेती, बागवानी या आवासीय हो, सभी जमीन की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता है। समाज में हर तरह के लोग रहते हैं। गरीब, मध्यवर्ग, अमीर वर्ग और अच्छे, बुरे लोग भी हैं। प्रदेश में कई दबंग, गुण्डे आदि लोगों ने गरीबों, अनुसूचित जातियों, कमजोर वर्गों, ग्राम समाज व सरकारी शहरी जमीनों पर अवैध कब्जा कर अपना हक बना लिया था। हजारो एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा कर लोग मालामाल हो रहे थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गरीबों कमजोरों और ग्राम पंचायत, शहरी जमीनों, सार्वजनिक सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध पूरे प्रदेश में एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन करते हुए एण्टी भू-माफिया अभियान चलाया। प्रदेश में सार्वजनिक सम्पत्तियों पर हुये अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कराये जाने हेतु 1 मई, 2017 द्वारा चार स्तरीय-राज्य, मण्डल, जनपद एवं तहसील स्तरीय एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है। प्रदेश में अवैध कब्जे से सम्बन्धित शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज किये जाने एवं कृत कार्यवाही का प्रभावी अनुश्रवण किये जाने हेतु एण्टी भू-माफिया पोर्टल का विकास किया गया है, जिसमें दर्ज शिकायतों पर सम्यक कार्यवाही करते हुए वैधानिक कार्यवाही की गई है। प्रदेश में एण्टी भू-माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित कुल 4.22 लाख शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से सभी शिकायतें निस्तारित करते हुए वास्तविक भूमालिकों को कब्ज़ा दिलाया गया। प्रदेश में चलाये गये एण्टी भू-माफिया अभियान के अन्तर्गत कुल 72,029.46 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है।

प्रदेश में चलाये गये इस अभियान के अन्तर्गत 24892 राजस्व वाद, 1135 सिविल वाद व 4742 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है। 1331 अतिक्रमणकर्ताओं को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है, वर्तमान में 211 भू-माफिया जेल में निरुद्ध हैं। प्रदेश में इस अभियान के तहत 1165 अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत, 259 के विरूद्ध दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत, 06 के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत, 86 के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत, 319 के विरूद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत तथा 3213 के विरूद्ध अन्य धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भू-माफियों के विरूद्ध चलाये गये इस अभियान से वास्तविक मालिकाना हक वाले गरीबों, अनुसूचित जातियों, कमजोरों, महिलाओं सहित आम जनता द्वारा प्रदेश सरकार की प्रशंसा की जा रही है। भू-माफियाओं के विरूद्ध की गई कड़ी वैधानिक कार्यवाही से पीड़ित सहित समाज के लोग प्रदेश सरकार की सराहना कर रहे हैं।

जीआरपी ने चोरी के 287 मोबाइल बरामद कर असली मालिकों को सौंपा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जीआरपी पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन बरामदगी में बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार को जीआरपी लखनऊ ने करीब 70 लाख रुपए कीमत के 287 मोबाइल फोन तलाश कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली और एसपी को धन्यवाद देते नजर आए। मोबाइल बरामदगी के लिए जीआरपी की सर्विलांस टीम ने विशेष अभियान चलाया। जनसुनवाई में मिली शिकायतों के आधार पर टीमों का गठन किया गया। तकनीकी सहायता से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रैक की गई। जांच में सामने आया कि कई मोबाइल उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी इस्तेमाल हो रहे थे, जिन्हें समन्वय बनाकर बरामद किया गया। अभियान के दौरान कुल 287 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

हंसी और सकारात्मकता के संग नवयुग कन्या महाविद्यालय में खुशी दिवस उत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के मनोविज्ञान विभाग 'अभिव्यक्ति' द्वारा अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस (20 मार्च) के उपलक्ष्य में ल्हास्य के माध्यम से खुशीरू सकारात्मक मनोविज्ञान का दृष्टिकोणङ्क विषय पर एक संगोष्ठी एवं स्टैंड-अप कॉमेडी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती ममता अंबुजनानी, सहायक प्राध्यापिका, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ का स्वागत एवं सम्मान प्रो. शर्मिता नंदी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग एवं मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सोनल अग्रवाल द्वारा पौध एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर किया गया। अपने विचारोत्तेजक संबोधन में श्रीमती अंबुजनानी ने कहा कि सकारात्मक मनोविज्ञान के अनुसार हास्य के माध्यम से खुशी को बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि यह तनाव को कम करता है और भावनात्मक कल्याण को सुदृढ़ करता है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ हास्य व्यक्ति को चुनौतियों को नए दृष्टिकोण से देखने, धैर्य एवं लचीलापन विकसित करने तथा पारस्परिक संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायक होता है। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन को अत्यधिक गंभीरता से न लेकर परिस्थितियों पर मुस्कुराना सीखना एक संतुलित एवं सुखद जीवन की ओर ले जाता है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्टैंड-अप कॉमेडी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी मौलिक प्रस्तुति, अभिव्यक्ति एवं उत्कृष्ट कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. अंबिका बाजपेयी, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग एवं प्रो. विनीता सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। प्रथम स्थान शांभवी गुप्ता द्वितीय स्थान कृषिका, अरुंधति एवं स्नेहा दीक्षित तृतीय स्थान सृष्टि मिश्रा सांत्वना पुरस्कार सुरभि यादव एवं सहभागी अंत में प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि हास्य एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है, जिसे सजग रूप से विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हास्यबोध न केवल व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ाता है, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सकारात्मकता एवं धैर्य के साथ सामना करने में भी सहायक होता है। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम (राष्ट्रीय गीत) के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का सफल संचालन मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. गगन प्रीत कौर, डॉ. सुकन्या तिवारी एवं सुश्री सुचिता सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. संगीता कोतवाल, प्रो. निन्नी कक्कड, प्रो. सीमा सरकार, प्रो. सीमा पांडेय, प्रो. संगीता शुक्ला, डॉ. आभा पाल, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. ममता वर्मा, श्रीमती नीलम यादव, डॉ. अंकिता तिवारी, डॉ. मेघना यादव सहित अन्य प्रवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ, जिसमें दैनिक जीवन में हास्य के महत्व एवं उसके सकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में संपन्न हुआ।

लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो का सर्वर डाउन, उड़ानें बाधित, यात्रियों को परेशानी

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को इंडिगो एयरलाइंस का ऑपरेशन अचानक ठप हो गया। पिछले करीब डेढ़ घंटे से सर्वर डाउन होने के कारण कई उड़ानों का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक मंगलवार दोपहर इंडिगो एयरलाइंस के सर्वर में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। जिसको लेकर दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे तक मेंटेनेंस का काम किया जाएगा। वहीं 12 से 2.30 बजे तक इंडिगो की लखनऊ एयरपोर्ट पर कोई उड़ान भी नहीं है। सूत्रों ने बताया कि 2.30 बजे इंडिगो का एक विमान है। अगर मेंटेनेंस का काम 2.30 बजे तक नहीं पूरा हो पाया तो यात्रियों के बोर्डिंग पास मैनुअल तरीके से जारी किए जाएंगे। इंडिगो का सर्वर ठप होने की वजह से एयरपोर्ट पर चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित हो गई है।

टी0बी0 मुक्त प्रदेश बनाने हेतु अस्पतालों पर निःशुल्क, जाँच, इलाज, निक्षय पोषण योजना व परामर्श की मिल रही है सुविधा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। क्षय रोग एक जानलेवा बीमारी है, जिसके कारण लाखों लोगों को प्रतिवर्ष जान गंवानी पड़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व से क्षय उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है। भारत के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए देश से क्षय रोग को उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए संचालित प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश की समस्त स्वास्थ्य इकाइयों पर 15 दिसंबर, 2022 को पहला निक्षय दिवस मनाया गया। टी0बी0 मरीजों की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण इलाज और निक्षय पोषण योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की गई है।

प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर 15 दिसंबर, 2022 को मनाए गए पहले निःक्षय दिवस पर ओपीडी में आये लगभग 2,80,176 मरीजों में से लगभग 31,696 संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की गयी। इनमें से 21,680 सैम्पल लिए गए, जिनमें से 14,802 सैंपल की जांच रिपोर्ट में 608 लोगों में क्षय रोग की पुष्टि हुयी थी। इसके बाद से प्रदेश में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का प्रदेश में सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश में प्रत्येक माह की 15 तारीख को टीबी, कालाजार, फाइलेरिया, कुष्ठ रोग के लिए एकीकृत निःक्षय दिवस मनाया जा रहा है, जिसमें मरीजों की जाँच की जा रही है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश में प्रयोगशाला जांच नेटवर्क में 2017 के सापेक्ष 2025 में सुधार हुआ है और नेटवर्क 141 से बढ़कर 930, कल्चर 5 से बढ़कर 141 हो गया है। प्रदेश में 8 नए टीबी कल्चर लैब्स की स्थापना की गई है। वर्तमान में प्रदेश में 14 टीबी कल्चर लैब क्रियाशील है। जिनमें मरीजों के बलगम आदि की जांच की जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत रोगियों को प्रतिमाह दी जाने वाली धनराशि में दिनांक 01 नवंबर, 2024 से रु0 500 प्रतिमाह की वृद्धि कर दी है। क्षय रोगियों के खातों में सीधे धनराशि भेजी जा रही है। प्रदेश में 2015 के सापेक्ष टीबी मृत्यु दर में 90 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। प्रदेश में 2018 से 2025 तक क्षय रोगियों के खातों में रू0 1,022 करोड़ की धनराशि पोषण हेतु स्थानांतरित की गई है। प्रदेश में 2022 से 2025 तक 95,000 निक्षय मित्रों द्वारा पोषण तथा सामाजिक सहायता क्षय रोगियों को दी गई है। वर्तमान तक लगभग 9.69 लाख पोषण पोटली रोगियों को दी जा चुकी। प्रदेश की आशा कार्यकर्त्रियाँ दो सप्ताह या अधिक समय से खांसी वाले, दो सप्ताह या अधिक समय से बुखार वाले, वजन में कमी वाले भूख न लगने और बलगम से खून आने वाले संभावित टी0बी0 मरीजों की सूची तैयार कर उन्हें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तक लाने का कार्य कर रही है। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सी0एच0ओ0) द्वारा मरीजों की प्रारम्भिक जांच एच0आई0वी0, डायबिटीज और अन्य जांच सुनिश्चित की जाती है।

योगी सरकार 142 बीपीएचयू के जरिए उपलब्ध कराएगी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को ब्लॉक स्तर तक मजबूत और आधुनिक बनाने की तैयारी तेज हो गई है। योगी सरकार राज्य के विभिन्न ब्लॉकों में 142 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बीपीएचयू स्थापित करने जा रही है। इन यूनिटों के जरिये ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जांच, पंजीकरण और प्राथमिक उपचार की बेहतर सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी।हर ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट को करीब 50 लाख रुपये की लागत से हाईटेक बनाया जाएगा। इनमें इंचार्ज कक्ष, रजिस्ट्रेशन रूम, वेटिंग रूम, सेंट्रल इंटीग्रेटेड लैब समेत कई आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इनका निर्माण मौजूदा पीएचसी और सीएचसी के भीतर ही कराया जाएगा, ताकि पहले से उपलब्ध स्वास्थ्य ढांचे को और अधिक सक्षम बनाया जा सके। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि योगी सरकार की योजना केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इन इकाइयों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इससे ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान होगी और मरीजों को जिला अस्पतालों पर निर्भरता कम रहेगी।ग्रामीण इलाकों में रहने वाले मरीजों को अब छोटी-बड़ी जांच और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। ब्लॉक स्तर पर सुविधाएं बढ़ने से समय और खर्च दोनों की बचत होगी। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में भी सुधार आएगा। बीपीएचयू मॉडल के लागू होने के बाद ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य ढांचा मजबूत होगा।

मल्टीलेवल पार्किंग पहुंची महापौर अव्यवस्थाओं पर लगाई फटकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग और केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सामने बनी मल्टीलेवल पार्किंग का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। महापौर के अचानक पहुंचने से हजरतगंज पार्किंग परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई। निरीक्षण के दौरान सबसे पहले लिफ्ट बंद पाई गई, जिससे आम लोगों को काफी असुविधा हो रही थी। इसके अलावा पार्किंग के बेसमेंट में अवैध रूप से कार बाजार और गैराज संचालित होता मिला। पार्किंग के सभी फ्लोर पर गंदगी का अंबार देखने को मिला, जिस पर महापौर और नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव एवं जोनल सेनेटरी ऑफिसर कुलदीपक को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही वहां बने टॉयलेट भी बंद पाए गए, जिन्हें तुरंत खुलवाकर जनता के लिए उपयोगी बनाने के निर्देश दिए गए। मेयर ने कहा कि नागरिक सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पार्किंग में चल रहे गैराज और कार बाजार को तत्काल प्रभाव से सील करा दिया गया। महापौर के निर्देश पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। छापेमारी के दौरान मौके से लैपटॉप एवं अन्य उपकरण भी जब्त किए गए, जिससे अवैध गतिविधियों के संचालन के प्रमाण मिले हैं। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सामने स्थित मल्टीलेवल पार्किंग पर भी हालात संतोषजनक नहीं पाए गए। पार्किंग परिसर में गंदगी फैली हुई थी और यहां भी अवैध रूप से कार बाजार और गैराज संचालित होता मिला। मेयर ने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि आरटीओ अधिकारियों से बात कर कर पार्किंग में लंबे समय से खड़ी गाड़ियों की जांच कर उन्हें जब्त किया जाए। साथ ही पार्किंग परिसर में अवैध रूप से गैराज और कार बाजार चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कि नगर निगम की संपत्तियों का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा शहर की जनता जब हमें शुल्क दे रही है तो उन्हें बेहतर सुविधाएं देना हमारी जिम्मेदारी है। पार्किंग में बुजुर्गों से लेकर हर आयु वर्ग के लोग आते हैं, ऐसे में यदि लिफ्ट खराब रहेगी तो उन्हें अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ेगा। हजरतगंज जैसे प्रमुख क्षेत्र में देश-विदेश से लोग आते हैं। यदि यहां की पार्किंग में गंदगी और अव्यवस्था मिलेगी तो इससे शहर की छवि भी खराब होगी। इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा का निर्णायक दांव, 'यूपी फतह ही दिल्ली की चाबी'

- 2024 के झटके के बाद भाजपा ने बदली चाल, युवा चेहरों और माइक्रो मैनेजमेंट पर बड़ा दांव
- लखनऊ से दिल्ली तक युवा चेहरों के सहारे भाजपा की नई चुनावी बिसात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2024 के झटके के बाद अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि सीधे आक्रामक मोड में नजर आ रही है। भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को 'सत्ता बचाने' से कहीं आगे बढ़ाकर 'दिल्ली की दिशा तय करने' वाली निर्णायक जंग के रूप में देख रही है। लखनऊ से लेकर दिल्ली तक सियासी संदेश देने की रणनीति के साथ भाजपा ने संगठन, बूथ मैनेजमेंट और सामाजिक समीकरणों पर एक साथ बड़ा दांव चला है। राजनीतिक विश्लेषक भी वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा की ताकत, विश्वास और वर्चस्व साबित करने का मौका भी बता रहे हैं। भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को अब सिर्फ एक और चुनाव नहीं, बल्कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव के महासमर से पहले सियासी ताकत परखने का बड़ा मंच मान रही है। पार्टी ने संकेत दे दिए हैं कि इस बार लक्ष्य केवल सरकार बचाना नहीं, बल्कि अपने गढ़ को इतना मजबूत करना है कि उसकी गूंज दिल्ली तक पहुंचे। इसी रणनीति के तहत भाजपा संगठन, रणनीति और सामाजिक समीकरण तीनों मोर्चों पर एक साथ सक्रिय हो गई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का मानना है कि उत्तर प्रदेश की जंग जीते बिना दिल्ली की राह आसान नहीं है। लोकसभा की सर्वाधिक सीटों वाला यह राज्य लंबे समय से राष्ट्रीय सत्ता की धुरी है। ऐसे में 2027 का परिणाम केवल लखनऊ की सत्ता नहीं, बल्कि 2029 से पहले देश की राजनीति का माहौल भी तय करेगा। भाजपा इसी कारण यूपी को राष्ट्रीय राजनीति की धड़कन मानकर चल रही है। राजनीतिक विश्लेषक सियाराम पाण्डेय की मानें तो भाजपा के लिए यूपी वर्ष 2027 के चुनाव सिर्फ सत्ता का सवाल नहीं, बल्कि 2029 से पहले अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता, संगठनात्मक ताकत और जनाधार को पुनः स्थापित करने का मौका है और इसके लिए अभी से निर्णायक लड़ाई लड़ने के मूड में है। इसलिए उसकी नजर उत्तर प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली की अगली राजनीतिक जंग पर भी टिकी हुई है।राजनीतिक विश्लेषक पांडेय का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में संगठन के विस्तार और पुनर्संतुलन पर बढ़ता जोर इस बदलाव का संकेत है। भाजपा अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक चुनावी तैयारी के साथ आगे बढ़ते हुए दिख रही है। राजनीतिक विश्लेषक सुरेंद्र अग्निहोत्री के अनुसार, वर्ष 2024 के लोकसभा परिणामों ने भाजपा को यह एहसास कराया कि अब चुनावी जीत केवल चेहरों और नारों पर निर्भर नहीं रह सकती। बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, स्थानीय मुद्दों की समझ,जातीय संतुलन, सही उम्मीदवार चयन और प्रभावी सामाजिक संदेश इन सभी पर समान रूप से ध्यान देना होगा। इसी के चलते पार्टी संगठन में नई ऊर्जा भरने और नई पीढ़ी को आगे लाने पर जोर दे रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा का सबसे बड़ा फोकस युवा शक्ति पर है। इसलिए मंडल से जिला स्तर तक युवाओं को अवसर देने,नए चेहरों को आगे बढ़ाने और युवा मोर्चा को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद तेज की है। भाजपा मानती है कि 2027 की जीत बूथ स्तर पर तय होगी,जहां तकनीकी रूप से सक्षम, प्रशिक्षित और सक्रिय कार्यकर्ता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इसी दिशा में पार्टी ऐसी टीम तैयार कर रही है जो सोशल मीडिया से लेकर मतदान केंद्र तक हर स्तर पर मजबूत पकड़ बनाए रखे। महिलाओं,पहली बार मतदान करने वाले युवाओं और नए सामाजिक वर्गों को जोड़ने की कोशिश भी इसी रणनीति का हिस्सा है।

ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एव कार्यशाला में विधायक ने सरकार की उपलब्धियां बताई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। कस्बे के बीआरसी पर मंगलवार को एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला में मौजूद ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष, शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक आशीष सिंह 'आशू' ने कहा कि भाजपा सरकार में स्कूलों के वातावरण से लेकर शैक्षिक गुणवत्ता में तेजी से सुधार आया है। ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष व शिक्षक मिलकर स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने के प्रयास करें। उन्होंने विभिन्न स्कूलों के सात छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया। पूर्व की सरकार पर तंज कसते हुए कहा परिषदीय शिक्षा कामचलाऊ रहती थी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे की प्रतिमा पर दीप प्रज्जलित कर हुआ। इस बीच खंड शिक्षा अधिकारी सन्तोष कुमार सिंह सहित शिक्षकों ने विधायक व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश वर्मा का माला पहनाकर स्वागत किया साथ ही स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। बीईओ ने बताया कि 159 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय व कस्तूरबा

गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले कुल 13984 छात्र-छात्राओं में 13016 बच्चों का डीबीटी आ गया है। जिससे अभिभावक यूनिफॉर्म, स्वीटर, मोजा, जूता, स्टेशनरी, स्कूल बैग खरीदकर बच्चों को मुहैया करा सकेंगे। 159 विद्यालयों में 45 विद्यालय निपुण घोषित किए गए। राष्ट्रीय आय आधारित परीक्षा में ब्लॉक की अनामिका देवी मानवेंद्र पूनम देवी कंचन वर्मा अनुभव यादव शिवा संजीव सफल हुए। इस मौके पर आरपी चंद्रप्रकाश टीआरपी बलजीत सिंह टीआरपी प्रवीण अग्निहोत्री इआरपी शोभित सिंह इआरपी अरुण कुमार केआरपी नीरज गुप्ता केआरपी प्रीतम सिंह प्रशांत सिंह सौरभ सिंह अनूप दीक्षित मनोज प्रताप प्रशांत कुमार दिलीप कुमार यशपाल सिंह विभा गुप्ता अंजली गुप्ता मिथिलेश वर्मा नेहा पटेल आज मौजूद रहे।

उन्मुखीकरण कार्यशाला का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। ब्लॉक सभागार कोथावां में बेसिक शिक्षा परिषद कोथावां की ओर से एसएमसी उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बालामऊ रामपाल वर्मा रहे।

यह जानकारी प्रधानाध्यापक विनोद कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक सहित सभी विद्यालयों के प्रबंध समिति के अध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र तिवारी ने किया कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी कोथावां द्वारा विधायक को अवगत कराया गया है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना है। यदि समुदाय भागीदारी करता है तो विद्यालय में नामांकन और उपस्थिति का प्रतिशत दोनों बढ़ेंगे। विधायक ने सभी शिक्षकों को बताया कि सभी लोग मेहनत से मन लगाकर कार्य करें और समुदाय में अपना सहयोग बढ़ाया तथा एसएमसी अध्यक्षों से कहा कि उनकी विशेष रूप से जिम्मेदारी है कि वह समुदाय में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करें और शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

इस अवसर पर अरुणेंद्र प्रताप सिंह, राजीव कुमार, शिव मूर्ति त्रिपाठी, दिवस शुक्ला, आशुतोष वाजपेई, प्रभा शंकर, विनोद कुमार सिंह, राहुल कुमार, अरविंद प्रताप सिंह, देवेश सिंह सहित तमाम शिक्षक, शिक्षिकाएं और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री उपस्थित रहे।

विशाल होली मिलन समारोह का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष पम्मू यादव के नेतृत्व में मंगलवार को ग्राम अजतुपुर स्थित खुशीराम बगिया में एक विशाल होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पम्मू यादव ने वर्तमान सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार समाज में नफरत और द्वेष फैलाने का कार्य कर रही है, जबकि हमारा देश उस गंगा-जमुना तहजीब का प्रतीक है जहाँ होली की गुजिया और ईद की सेवइयां साथ मिलकर खाई जाती हैं।

पम्मू यादव ने जोर देकर कहा कि अखिलेश यादव की पीडीए एकता की मुहिम से भाजपा सरकार पूरी तरह भयभीत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि नफरत भरी और भ्रष्टाचारी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का अब समय आ गया है। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगमोहन राजपूत, मनोज अग्निहोत्री, जिला पंचायत सदस्य राजीव राजपूत, केपी यादव, बबलू दीक्षित, माधवराम सक्सेना, अभिषेक मिश्रा, विजय यादव और रामपाल राजपूत सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

व्यापारियों ने किया मुकुल सिंह आशा का जोरदार स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भाजपा की घोषित नवनियुक्त कमेटी में जिला सह कार्यालय मंत्री के रूप में नियुक्त मुकुल सिंह आशा का मंगली पुरवा, सैया पुरवा के व्यापारियों ने उनके आवास पर पहुंचकर बड़ी माला से स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दिन प्रतिदिन आप ऐसे ही आगे बढ़ते रहें ऐसी कामना की। व्यापारियों ने कहा कि मुकुल सिंह आशा श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के संस्थापक व वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अखिलेश सिंह के सुपुत्र हैं मुकुल सिंह आशा पूरे तरीके से अपने पिता के पद चिन्हों पर चल रहे हैं हम सभी लोग हमेशा मुकुल सिंह आशा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। इस मौके पर व्यापारी उमाकांत गुप्ता, संचित गुप्ता, दीपेश गुप्ता, शुभम सिंह, अरुण सिंह, पवन गुप्ता, अनिल राठौर, सुनील सैनी, अजय गुप्ता, नरेश सक्सेना, हिमांशु सैनी, सनी, धीरज कश्यप, चंदन राठौर, बंटी श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै गुड्डी देवी पत्नी स्व0 रामौतार, पताः- ग्राम आशा, पोस्ट-धीयर महोलिया, थाना कोतवाली देहात, जनपद-हरदोई की निवासिनी हूँ। मै अपने पुत्र विनीत कुमार के गलत चाल-चलत, गलत आचरण, वित्तीय लेनदेन, गैर कानूनी गतिविधियों और अनैतिक कार्यो के चलते अपने पूर्ण होशो हवास में बिना किसी जोर दबाव के अपनी स्वेच्छा से अपनी समस्त चली व अचल सम्पत्ति से सदैव के लिए बेदखल कर रही हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्र विनीत कुमार द्वारा किसी भी अनैतिक कृत्य, लेनदेन से मेरा व मेरे परिवारीजनो का कोई लेना देना नहीं होगा, वह स्वयं ही जिम्मेदार होगा।

सूचना

मै सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शेर अली पिता फारूक अली, पता- खजांची टोला, जनपद-हरदोई का निवासी हूँ। अज्ञात कारणों से मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अली शेर हो गया है, जो गलत है। जबकि मेरा वास्तविक नाम शेर अली है जो कि मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में भी यही नाम अंकित है

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुन्नी देवी पत्नी राज किशोर, पताः- ग्राम-अखनापुर, पोस्ट-ककेड़ी, तहसील व जिला हरदोई की निवासिनी हूँ। मेरा घरेलू नाम रामबेटी है, जो पूर्व के आधार कार्ड पर दर्ज था, जबकि मेरे अन्य सभी रिकार्ड में मेरा नाम मुन्नी देवी दर्ज था जिसे बाद में अपने संसोधित आधार कार्ड में दर्ज करा दिया। मुन्नी देवी तथा रामबेटी यह दोनों नाम एक ही महिला के दो नाम है, मेरे ही है। भविष्य में इन दोनों नामों से मुझे ही जाना व पहचाना जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै रामकुमारी पत्नी रामदुलारे, पताः- ग्राम-पंजाबी खेड़ा, मजरा-ककराली, जनपद-हरदोई की निवासिनी हूँ। मेरी बीमा पालिसी संख्या-224404709 में रामदुलारी पत्नी रामदुलारे अंकित है, जब कि मेरे आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखों में रामकुमारी पत्नी रामदुलारे दर्ज है। मुझे उक्त दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम मोहम्मद अकरम मंसूरी पिता का नाम मोहम्मद नबी मंसूरी, मोहल्ला सुभाष नगर, हरदोई ग्रामीण है। मेरे आधार कार्ड और मेरे उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र में भी यही नाम दर्ज है। त्रुटिवस मेरे पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम मोहम्मद नरी मंसूरी हो गया है, जो गलत है। उनका वास्तविक नाम मोहम्मद नबी मंसूरी Mohammad Navi Mansuri है। जोकि सही है। मेरे पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम सही दर्ज करने की आवश्यकता है।

त्याग जीवन का आधारः प्रशांत जी

■ केवट प्रसंग सुन भावुक हुए भक्त

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। माँ वैष्णो जन जागरण सेवा समिति द्वारा चल रही राम कथा के षष्टम् दिवस की पावन कथा में में अयोध्या से पधारे परम् पूज्य प्रशांत जी महाराज ने बताया भगवान जिस दिन से अयोध्या पधारे हैं अयोध्या में चारों भाइयों के विवाह का उत्सव हो रहा है सभी अवध पुरी वासी नित्य प्रति उत्सव का आनंद प्राप्त कर रहे हैं सभी भाई अयोध्या में विराजमान हैं एक समय की बात है

चक्रवर्ती धर्म सम्राट महाराज दशरथ जी के मन में भाव आया की भगवान राम को राजा बना दिया जाए दशरथ जी गुरुदेव वशिष्ठ के पास पहुंचे और कहा गुरुदेव राम को राजा बनना चाहते हैं गुरुदेव ने जरूर बनाया समय सुंदर दशरथ ने कहा आज बना दे गुरुदेव ने कहा तुरंत बना दो शुभ घड़ी में विचार कैसा मगर गुरुदेव जानते थे अभी शुभ समय नहीं है अभी तो भगवान को लीला करनी यह बात देवताओं को ठीक नहीं लगी देवता मां सरस्वती के पास पहुंचे और प्रार्थना किया मां सरस्वती अयोध्या पधारी मंथरा की बुद्धि फेर दी मंत्र ने मां के देवी को विभिन्न प्रकार से समझाया राम राजा बन रहे हैं क्यों ना भरत को राजा बनाया जाए यह बात मान करके ही कुछ समझ में आने लगी मकई को भवन में पहुंच गई जब दशरथ जी को समय मिला मां कई गई के पास पहुंचे तो मां के गई ने अपने दो वरदान मांग लिए भारत को टीका भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास पिता के कहने पर राम लक्ष्मण और मां जानकी वनवास स्वीकार कर वन को चले भगवान के साथ सभी अयोध्यावासी भी साथ में चल पड़े प्रथम विश्राम भगवान ने तमशा तट पर किया प्रात: कल सुबह भगवान राम लक्ष्मण और मां जानकी उठकर आगे की यात्रा प्रारंभ किया अयोध्यावासी सोते रह गए महाराज जी ने बताया जो अपने जीवन में सोता रहता है उसके जीवन से भगवान चले ही जाते हैं आगे की यात्रा भगवान ने प्रारंभ की आगे चलकर निषादराज से भेंट हुई निषाद राज जी को लक्ष्मण जी ने उपदेश दिया कोई किसी के सुख और दुख का दाता नहीं है भगवान आगे बढ़ें गंगा तट पर पहुंच कर केवट को आवाज लगाई हे नाविक हमें गंगा पार कर दो केवट समझ गया ये भगवान है केवट ने कहा हम गंगा पार नहीं करेंगे अगर गंगा पार करना चाहते हो तो चरण पखारने के लिए कहो हम आपको चरणों को धुलेंगे फिर गंगा पार करेंगे भगवान के कहने पर केवट ने चरणों को पकाया है अपने पूरे परिवार के साथ भगवान के चरणों पखार कर अपने भाग्य की सराहना करता है बार बार भगवान के चरणों को पकाया कर आनंदित हो रहा है चरणों को पकाया कर भगवान राम और लक्ष्मण जी एवं मां जानकी कै नाव पर बिठाकर गंगा पार किया भगवान ने सोचा अब इसको उतराई क्या दे मां जानकी ने अपनी उंगली से मुद्रिका उतार कर दिया और कहा केवट को उतराई दे दो प्रभू केवट ने कहा हे भगवान जिसके सामने जगत का मालिक खड़ा हो उसको किसी वस्तु की चाह होगी महराज ने कहा इस प्रसंग को सुनकर भी आपके अंदर भक्ति भाव उत्पन्न न हुआ तो जीवन वर्थ है इस कथा का श्रवण जो भक्त करता है उसका जीवन भक्ति से परिपूर्ण हो जाता है।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तेज गति से जा रही कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर जगह निवासी राज नारायण कुशवाहा 68 वर्ष पुत्र लक्ष्मी नारायण मंगलवार की दोपहर लगभग ०3:00 बजे लखनऊ पब्लिक स्कूल में भाई के बच्चों को लेने के लिए जा रहे थे। मटिया मऊ माधौगंज मार्ग भैसी मऊ गांव के सामने कस्बे की ओर से जा रही तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिससे राज नारायण की दर्दनाक मौत हो गई वहीं कार सड़क किनारे खाई में चली गई। कार चालक मौके से फरार हो गया। मृतक खेती बाड़ी करता था

मासूम की मौत पर उठे सवाल, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जहाँ एक ओर सरकार स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के नाम पर अरबों रुपए का बजट खर्च कर रही है साथ ही समय समय पर जनजागरूक के कार्यक्रम चलाती रहती है वहीं ग्रामीण क्षेत्रो के भोले भाले लोग जागरूकता में कमी के कारण प्राइवेट अस्पतालों के मकड़जाल में फंस जाते है जिससे उनका आर्थिक शोषण होने के साथ.साथ मरीज की जान भी जोखिम में पड़ जाती है! ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है जिसमें कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत इलाज के दौरान एक मासूम बालिका की मौत हो गई वहीं बालिका के पिता ने नर्सिंग होम प्रशासन पर बच्ची के साथ लापरवाही बरतने और तथ्यों को छुपाने के आरोप लगाए हैं! बालिका का पिता मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता है परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है! फिलहाल मामले में जांच जारी है!

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गौहानी के मजरा मंडलहिया निवासी अरुण कुमार पुत्र राम आसरे अपनी चार वर्षीय पुत्री आरुषि को शुक्रवार की रात इलाज के लिए कछौना के एक प्राइवेट नर्सिंग होम में लेकर आया था! जहाँ डॉक्टरों ने मरीज की हालत गंभीर बताकर भर्ती कर लिया! जहां दो दिन भर्ती रहने के बाद मरीज के इलाज के नाम पर लगभग रूपये 25000 लिए गए लेकिन मरीज की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ! सोमवार की सुबह मरीज के पिता को बुलाकर रूपये 20000 की अतिरिक्त मांग की गई जिसका भुगतान करने में असमर्थता जताने पर मरीज की हालत गंभीर बताकर उसे रेफर कर दिया गया! आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अपनी बीमार पुत्री को वहां से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना लाया जहां पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे बताया कि उसकी पुत्री की मृत्यु लगभग 2 से 3 घंटा पूर्व हो चुकी है जबकि उसे नर्सिंग होम से अस्पताल तक पहुंचने में मुश्किल से 15 मिनट का समय लगा होगा! पूरे मामले की जांच की जा रही है! प्रार्थी के परिजन नर्सिंग होम प्रशासन पर लापरवाही व धोखाधड़ी के आरोप लगाते हुए थाने में शिकायती पत्र दिया है और दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं! थाना अध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है मृत बालिका का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है लेकिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित जाँच टीम की रिपोर्ट के बाद प्राप्त तथ्यों व प्रार्थना पत्र के आधार पर मामला पंजीकृत किया जाएगा!

सुंदरीकरण के बाद क्षेत्राधिकारी कार्यालय का एसपी ने किया लोकार्पण

फीता काटकर लोकार्पण करते पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मंगलवार को दोपहर क्षेत्राधिकारी कार्यालय, प्रतीक्षालय आदि का फीता काटकर शुभारंभ किया और लोगों को सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचे। यहां पर आईपीएस आलोक राज नारायण द्वारा कार्यालय का सुंदरीकरण कराया गया था। इस मौके पर उन्होंने सुंदरीकरण कार्यालय का लोकार्पण किया। तत्पश्चात अंदर बनाए गए प्रतीक्षालय का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित गणमान्य नागरिकों और व्यापारियों से सीधे संवाद किया और भरोसा दिलाया कि व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री जी भी लगातार व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर निर्देश देते रहते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा सुरक्षा व्यवस्था हम सबकी जिम्मेदारी है। पूरे जनपद में कहीं भी भय का माहौल नहीं है। पुलिस आपकी मित्र है पुलिस से मित्रवत व्यवहार रखिए और अगर समाज में कोई भी अपराधिक कृत्य कर रहा है तो उसकी गोपनीय तरीके से पुलिस को जानकारी अवश्य उपलब्ध करायें। उन्होंने व्यापारियों से अपने.अपने प्रतिष्ठानों पर कैमरा लगवाने की अपील की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण, प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। मंगलवार कों पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने शाहाबाद कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया और कोतवाली प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कोतवाली का निरीक्षण करते पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

उन्होंने कोतवाली परिसर, मालखाना, कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, जनशिकायत रजिस्टर, मेस, बैरक, सीसीटीवी, हवालात, शस्त्रागार आदि का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया जन शिकायत रजिस्टर में शिकायत निस्तारण संबंधी पूर्ण विवरण दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। थानाक्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों की निगरानी रजिस्टर का निरिक्षण किया गया। जो भी कमियां पाई गयी हैं सबको जल्द दुरुस्त करने के दिशा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने शास्त्र खाना में सरकारी शस्त्रों का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय, सभी चौकी प्रभारी, हल्का इंचार्ज और पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

निपुण भारत मिशन ग्राम प्रधानों प्रधानाध्यापकों की कार्यशाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पिहानी विकास खंड में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला ब्लॉक सभागार में ग्राम प्रधानों और परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए आयोजित की गई।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई ने शिक्षा को समाज की असली पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि गाँव के विकास का मार्ग स्कूल की चौखट से होकर गुजरता है। उन्होंने ग्राम प्रधानों से विद्यालयों को केवल सरकारी भवन न मानकर गाँव के भविष्य निर्माण का केंद्र मानने की अपील की। ब्लॉक प्रमुख ने ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से स्कूलों को कॉन्वेंट स्तर की सुविधाएं प्रदान करने पर जोर दिया। खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रियंका सिंह ने समुदाय और विद्यालय के बीच मजबूत संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जब तक यह सेतु मजबूत नहीं होगा, तब तक वांछित परिणाम प्राप्त करना कठिन होगा। कार्यक्रम के दौरान संविलियन विद्यालय मंसूरनगर, प्राथमिक विद्यालय शाहपुर सैदान और भरौना के छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गीतों ने उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ब्लॉक प्रमुख ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। विकास खंड के भोगियापुर, पतरास, नरधीरा और मंसूरनगर से कुल 15 बच्चों ने राष्ट्रीय आय आधारित परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि में सहयोग करने वाले शिक्षकों को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले अभय यादव, संकुल प्रभारी तारिक खान, संकुल प्रभारी सतीश वर्मा, शिक्षक विमलेश कुमार, शिक्षक रश्मि शर्मा और शिक्षक विजया अवस्थी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र यादव ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रधान विजेंद्र सिंह, अरविन्द यादव, संदीप शुक्ला, विनीत गुप्ता, रमाकांत, मेंहदी हसन, शिक्षक राजन वैश्य, रमेश वर्मा, नीरज मिश्रा, कय्यूम, उमेश वर्मा, मुशीर अंसारी, रामजी दीक्षित, पंकज, राजू, शिक्षिका विजया अवस्थी, रश्मि शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा सलूक

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के 9 रफी मार्ग स्थित कार्यालय को कथित तौर पर भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में सील कर दिया। देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग-अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं। तभी तो बड़ी से बड़ी घटनाएं भी हमें विचलित नहीं करतीं। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की कई खबरें आती हैं और समाज उन्हें सरसरी निगाह से देखकर टाल देता है कि ये सब तो होता ही रहता है। अत्याचार तो पहले भी होते रहे हैं, तब पत्रकार इन्हें उजागर करना अपना दायित्व समझते थे। क्योंकि जब तक समाज की बुराइयों को सामने नहीं लाया जाएगा, तब तक उनका खात्मा करने के तरीके भी नहीं तलाशे जा सकते। लेकिन अब मीडिया भी उन्हीं खबरों को तरजीह देता है, जो वायरल हों, जिनके कारण टीआरपी बढ़े या लाइक्स और कमेंट्स ज्यादा मिले। यही वजह है कि पहले कुंभ मेले में एक सुंदर युवती मोनालिसा चर्चा में आई, फिर उसके अभिनेत्री बनने की खबरें खूब चलीं और अब उसने विवाह कर लिया तो उस पर भी प्रेस कांफ्रेंस हो गई कि उसने जिस व्यक्ति से विवाह किया, उसका धर्म क्या है और यह सही है या नहीं। सोचिए मीडिया ने अपनी प्राथमिकताओं को किस गर्त में पहुंचा दिया है कि दो बालिग आपसी रजामंदी से विवाह करें तो वह उनकी हेडलाइन्स बन जाती है। इस माहौल में यूएनआई का दफ्तर सील करना और वहां मौजूद पत्रकारों से बदसलूकी आम खबर की तरह आई और चली भी गई। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद भवन के पास 9 रफी मार्ग पर लगभग 5,289.52 वर्ग मीटर जमीन दशकों पहले यूएनआई को सरकार ने लीज पर दी थी। इस जमीन की अनुमानित कीमत मौजूदा दर 7.74 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से करीब 409 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार ने यह जमीन संयुक्त कार्यालय परिसर विकसित करने के यूएनआई को दी थी, लेकिन कम से कम 40 साल बीतने के बाद भी वहां कोई निर्माण नहीं हुआ। सरकार का कहना है कि यूएनआई कार्यालय का निर्माण नहीं कर सका, जो आवंटन पत्र में तय शर्तों का उल्लंघन है। जिसके बाद आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने 12 जनवरी 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद 29 मार्च 2023 को आवंटन रद्द कर दिया था। न्यूज एजेंसी ने इस रद्दीकरण को अदालत में चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने वित्तीय कमी और लंबित मंजूरियों को देरी का कारण बताने वाले उसके तर्कों को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि चार दशकों से अधिक समय तक भवन का निर्माण न करना आवंटन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। शुक्रवार को ही यह फैसला आया और इसी शाम को ही कुछ वकील और दिल्ली पुलिस भारी दलबल के साथ परिसर पहुंच गए। अदालत का फैसला और उसके मुताबिक कानूनी कार्रवाई तो सही है, लेकिन यहां असली सवाल पुलिस के रवैये का है। जिस तरह एक मीडिया संस्थान से कर्मचारियों को निकाला गया, वैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिनमें यूएनआई परिसर में बड़ी तादाद में पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं और पत्रकारों-कर्मचारियों से दफ्ष्तर खाली करने को कह रहे हैं। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि दफ्ष्तर खाली कराने में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया और कुछ भी गलत नहीं हुआ, क्योंकि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई थी। लेकिन यूएनआई ने अपनी पोस्ट में एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उसके दफ्तर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नजर आ रहे हैं और कर्मचारी आरोप लगा रहे हैं कि उनके साथ धक्का-मुक्की हो रही है। यूएनआई के कुछ कर्मियों ने बताया कि शाम को कुछ वकील और अधिकारी बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अन्य बलों के साथ यूएनआई के दफ्तर पहुंचे।

देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग-अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं।

वैश्विक ऊर्ज़ा संकट 1970 के दशक से भी भयंकर और भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इतिहास में पीछे जाएं और 1970 के दशक को देखें तो ध्यान में आता है कि उस दौरान भी तेल संकट मुख्यतः उत्पादन में कटौती और राजनीतिक दबावों के कारण उत्पन्न हुआ था, किंतु उस तुलना में वर्तमान संकट कहीं अधिक जटिल है। इसमें सैन्य संघर्ष, समुद्री मार्गों पर खतरा, साइबर और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनी कि यदि 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को नहीं खोला गया तो ईरानी ऊर्ज़ा ढांचे को निशाना बनाया जाएगा ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। इसी के समानांतर, इजराइल ने भी अपने सैन्य अभियानों को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मिसाइल हमलों और जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक ऊर्ज़ा प्रवाह को भी बाधित किया है।

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्ज़ा सुरक्षा को अभूतपूर्व संकट में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्ज़ा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल द्वारा दी गई चेतावनी कि यह संकट 1970 के दशक के तेल संकट से भी अधिक गंभीर हो सकता है, वर्तमान स्थिति की भयावहता को रेखांकित करती है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को अस्थिर कर दिया है, जिससे ऊर्ज़ा बाजारों में अनिश्चितता चरम पर पहुंच गई है। इतिहास में पीछे जाएं और 1970 के दशक को देखें तो ध्यान में आता है कि उस दौरान भी तेल संकट मुख्यतः उत्पादन में कटौती और राजनीतिक दबावों के कारण उत्पन्न हुआ था, किंतु उस तुलना में वर्तमान संकट कहीं अधिक जटिल है। इसमें सैन्य संघर्ष, समुद्री मार्गों पर खतरा, साइबर और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनी कि यदि 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को नहीं खोला गया तो ईरानी ऊर्ज़ा ढांचे को निशाना बनाया जाएगा ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। इसी के समानांतर, इजराइल ने भी अपने सैन्य अभियानों को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मिसाइल हमलों और जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक ऊर्ज़ा प्रवाह को भी बाधित किया है। जबकि ये सर्वविदित है कि 'होर्मुज जलडमरूमध्य' विश्व के कुल तेल और गैस परिवहन का लगभग 20 फीसद वहन करता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का अर्थ है वैश्विक ऊर्ज़ा बाजार में भारी उथल-पुथल। वर्तमान संघर्ष के कारण कई टैंकर इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ रहे हैं और सैकड़ों जहाज खाड़ी में लंगर डाले प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस स्थिति के चलते वर्तमान में ऊर्ज़ा कीमतों में अस्थिरता, परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़ने का भी संकेत लगातार मिल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्ज़ा एजेंसी (आईईए) सदस्य देशों ने 40 करोड़ बैरल तेल अपने रणनीतिक भंडार से जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास है, किंतु यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह उपाय भी सीमित साबित हो सकता है। भारत, जोकि अपनी ऊर्ज़ा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इस संकट से सीधे प्रभावित होने वाला देश है। फिर भी, इस संकट के दौरान भारत ने जिस प्रकार बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है, वह उल्लेखनीय है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कूटनीति, सैन्य तैयारी और आर्थिक प्रबंधन का संतुलित समन्वय प्रस्तुत किया है। जहां कई देश केवल प्रतिक्रिया देते नजर आए, वहीं भारत ने सक्रिय नीति अपनाते हुए संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया। भारत ने इस पूरे संघर्ष में किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संतुलित कूटनीति अपनाई। ईरान, खाड़ी देशों और पश्चिमी शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखते हुए भारत ने अपने जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित किया। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि भारत की ऊर्ज़ा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। साथ ही, वैश्विक मंच पर भारत की छवि एक जिम्मेदार और विश्वसनीय शक्ति के रूप में मजबूत हुई। भारत ने संकट के शुरुआती चरण में ही अपनी नौसेना को सक्रिय कर दिया। संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में एस्कॉर्ट ऑपरेशन चलाए गए, जिससे भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिल सका। 'जग लाडकी', 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' जैसे टैंकरों की सुरक्षित वापसी इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है। इन जहाजों के माध्यम से कच्चे तेल और एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई, जिससे देश में ऊर्ज़ा संकट टल गया। एक तरह से देखा जाए तो ऊर्ज़ा संकट के दौरान सबसे बड़ा खतरा आपूर्ति में कमी नहीं, घबराहट होता है। भारत ने इसे समझते हुए आपूर्ति प्रबंधन को प्राथमिकता दी। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, जबकि औद्योगिक उपयोग को नियंत्रित किया गया। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की गई। परिणामस्वरूप, देश में गैस और ईंधन की व्यापक कमी या सामाजिक असंतोष देखने को नहीं मिला। वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद भारत ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपेक्षाकृत नियंत्रित रखा। यह संभव हुआ कर नीति, वैकल्पिक स्रोतों से आयात और कुशल आपूर्ति प्रबंधन के कारण। इस नीति का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि महंगाई पर नियंत्रण बना रहा और आर्थिक गतिविधियां बाधित नहीं हुईं। जहां कई देशों में ऊर्ज़ा संकट ने अर्थव्यवस्था को झटका दिया, वहीं भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा। यहां उल्लेखित है कि पिछले एक दशक में भारत ने ऊर्ज़ा स्रोतों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। रूस, अमेरिका और अन्य देशों से आयात बढ़ाने की नीति ने इस संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका परिणाम यह हुआ कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने के बावजूद भारत की ऊर्ज़ा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। यह रणनीति भविष्य के लिए भी ऊर्ज़ा सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार करती है। संकट प्रबंधन में डिजिटल तकनीक का उपयोग भी भारत की सफलता का एक प्रमुख कारण रहा। रियल-टाइम डेटा के माध्यम से आपूर्ति और वितरण की निगरानी की गई, जिससे त्वरित निर्णय लेना संभव हुआ। राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान किया गया। इससे संकट अराजकता में परिवर्तित नहीं हुआ और व्यवस्था बनी रही। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरा है। वैश्विक नेताओं द्वारा यह संकेत दिया जाना कि भारत इस संघर्ष को कम करने में भूमिका निभा सकता है, उसकी बढ़ती कूटनीतिक शक्ति का प्रमाण है। अमेरिकाऽइजरायल और ईरान के बीच युद्ध ने वैश्विक ऊर्ज़ा व्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक विश्व में ऊर्ज़ा सुरक्षा उनके प्रबंधन और रणनीतिक नियंत्रण का विषय है। इस संकट के बीच भारत ने जिस प्रकार संतुलित कूटनीति, सैन्य तैयारी, आर्थिक नीति और प्रशासनिक दक्षता का समन्वय किया, वह एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है। भविष्य में, जैसे-जैसे वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव बढ़ेंगे, ऊर्ज़ा सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। ऐसे में भारत की रणनीति उसे संकट से उबारने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि कहना होगा कि उसे वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फिलहाल तो यही नजर आ रहा है।

आस्था और दर्शन जीवन की दो धाराएँ मगर एक ही सत्य की खोज

सुरेश सिंह बैस ''शाश्वत''

आस्था मनुष्य को संबल देती है। जब जीवन की राह कठिन हो जाती है, जब हर ओर निराशा का अंधकार छा जाता है, तब आस्था ही वह दीपक बनती है जो भीतर उम्मीद की लौ जलाए रखती है। यह आस्था ही है जो व्यक्ति को यह विश्वास दिलाती है कि हर कठिनाई के बाद सुख का सूर्योदय अवश्य होगा। आस्था हमें जोड़ती है- परमात्मा से, प्रकृति से और स्वयं अपने अंतर्मन से। भारतीय दर्शन और जनमानस में आस्था और श्रद्धा दो ऐसे शब्द हैं, जिन्हें अक्सर एक-दूसरे का पर्यायवाची मान लिया जाता है। किंतु, यदि हम इनके मूल अर्थ और मनोवैज्ञानिक गहराई में उतरें, तो पाएंगे कि ये एक ही सिक्के के दो अलग-अलग पहलू हैं।

मनुष्य का जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है; वह भीतर से निरंतर किसी गहरे सत्य की तलाश में रहता है। यही तलाश उसे आस्था और दर्शन की ओर ले जाती है। आस्था वह विश्वास है जो बिना तर्क के भी हृदय में गहराई से स्थापित रहता है, जबकि दर्शन वह चिंतन है जो तर्क, अनुभव और विवेक के माध्यम से सत्य की खोज करता है। ये दोनों भले ही अलग प्रतीत होते हों, परंतु वास्तव में एक-दूसरे के पूरक हैं। आस्था मनुष्य को संबल देती है। जब जीवन की राह कठिन हो जाती है, जब हर ओर निराशा का अंधकार छा जाता है, तब आस्था ही वह दीपक बनती है जो भीतर उम्मीद की लौ जलाए रखती है। यह आस्था ही है जो व्यक्ति को यह विश्वास दिलाती है कि हर कठिनाई के बाद सुख का सूर्योदय अवश्य होगा। आस्था हमें जोड़ती है- परमात्मा से, प्रकृति से और स्वयं अपने अंतर्मन से। भारतीय दर्शन और जनमानस में आस्था और श्रद्धा दो ऐसे शब्द हैं, जिन्हें अक्सर एक-दूसरे का पर्यायवाची मान लिया जाता है। किंतु, यदि हम इनके मूल अर्थ और मनोवैज्ञानिक गहराई में उतरें, तो पाएंगे कि ये एक ही सिक्के के दो अलग-अलग पहलू हैं। जहाँ आस्था एक 'दृढ़ निश्चय' है, वहीं श्रद्धा एक 'समर्पण युक्त भाव' है। आस्था का अर्थ है, किसी विचार, सत्ता या सिद्धांत के प्रति अडिग विश्वास। यह विश्वास का वह परिपक्व रूप है जिसे तर्क या परिस्थितियों से हिलाया नहीं जा सकता। निश्चितताः आस्था में एक प्रकार की बौद्धिक और मानसिक स्थिरता होती है। शक्तिः यह मनुष्य को कठिन समय में संबल प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, ईश्वर के प्रति आस्था व्यक्ति को यह यकीन दिलाती है कि ''सब ठीक हो जाएगा।'' प्रकृतिः आस्था बाहरी स्त्रोतों (जैसे धर्मग्रंथ, गुरु या परंपरा) से शुरू हो सकती है, जो बाद में व्यक्तिगत अनुभव में बदल जाती है। श्रद्धा की बात करें तो श्रद्धा, आस्था से एक कदम आगे की स्थिति है। संस्कृत में कहा गया है- ''श्रत सत्यं दधाति इति श्रद्धा' (जो सत्य को धारण करे, वही श्रद्धा है)। भावनात्मक गहराईः श्रद्धा में केवल विश्वास नहीं होता, बल्कि उसमें आदर, प्रेम और कृतज्ञता का भाव भी सम्मिलित होता है। समर्पणः जहाँ आस्था में 'मानना' मुख्य है, वहीं श्रद्धा में 'झुकना' (विनम्रता) मुख्य है। क्रियाशीलताः श्रद्धा हमें उस मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है जिसमें हम विश्वास रखते हैं। कुल मिलाकर आस्था और श्रद्धा में मुख्य अंतर यह है कि आस्था जोएक वैचारिक या मानसिक दृढ़ता है। यह एक हृदयगत और भावनात्मक भाव है। यह ज्ञान या परंपरा पर आधारित हो सकती है। यह पूर्णतः सात्विक प्रेम और आदर पर टिकी होती है। आस्था प्रश्न पूछ सकती है या तर्क से गुजर सकती है। तो वही श्रद्धा तर्क से परे है; यह बिना शर्त होती है। यह सुरक्षा का भाव देती है। यह व्यक्ति के अहंकार को गलाकर उसे रूपांतरित करती है। आज के भागदौड़ भरे और अनिश्चितता से भरे युग में, आस्था और श्रद्धा की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। जब विज्ञान और तर्क थक जाते हैं, तब मनुष्य की आंतरिक शांति इन्हीं दो स्तंभों पर टिकी होती है। दूसरी ओर, दर्शन हमें प्रश्न करने की शक्ति देता है। यह हमें अंधविश्वास से दूर ले जाकर सत्य के मूल तक पहुंचने की प्रेरणा देता है। दर्शन कहता है कि हर विश्वास को समझना भी आवश्यक है। वह जीवन के गूढ़ प्रश्नों - मैं कौन हूँ?', 'इस संसार का उद्देश्य क्या है?'..का उत्तर खोजने का मार्ग प्रशस्त करता है। दर्शन के माध्यम से मनुष्य अपने अस्तित्व की गहराइयों को समझने का प्रयास करता है। यदि केवल आस्था हो और दर्शन न हो, तो मनुष्य अंधविश्वास में फंस सकता है। और यदि केवल दर्शन हो, आस्था न हो, तो जीवन में सूखा तर्क रह जाता है जिसमें संवेदनाओं की कमी होती है। अतः दोनों का संतुलन आवश्यक है। आस्था हृदय को शक्ति देती है, और दर्शन बुद्धि को दिशा देता है। जब हृदय और बुद्धि का यह संगम होता है, तब मनुष्य का जीवन संतुलित और सार्थक बनता है। आज के आधुनिक युग में, जहाँ विज्ञान और तकनीक ने अपार प्रगति की है, वहाँ भी आस्था और दर्शन की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। बल्कि, तेजी से बदलते इस युग में मनुष्य को मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन की पहले से अधिक आवश्यकता है। ऐसे में आस्था उसे स्थिरता देती है और दर्शन उसे सही मार्ग दिखाता है। अंततः, आस्था और दर्शन दोनों ही मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराते हैं। वे सिखाते हैं कि जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों का नाम नहीं, बल्कि एक आंतरिक यात्रा भी है- एक ऐसी यात्रा, जहाँ हर कदम पर आत्मबोध और सत्य की अनुभूति होती है। जहां आस्था हमें 'खड़ा' होने की शक्ति देती है, तो श्रद्धा हमें 'चलने' की प्रेरणा। आस्था यदि बीज है, तो श्रद्धा वह जल है जो उसे वटवृक्ष बनाती है। इन दोनों के समन्वय से ही मनुष्य जीवन की सार्थकता को प्राप्त कर सकता है। आस्था मन का विश्वास है, श्रद्धा हृदय का समर्पण।''''श्रद्धाहीन ज्ञान बोझ है, और आस्थाहीन कर्म दिशाहीन।''''अंधश्रद्धा से बचें, विवेकपूर्ण आस्था को चुनें।''आस्था विश्वास बीज है तो श्रद्धा उसका पल्लवित रूप है।''

मन मंदिर में दीप जले,
विश्वास ज्योति प्रखर हो ,
संदेह बादल हटें,
अंतर्मन निर्मल सरोवर हो
दर्शन की दृष्टि मिले,
हर कण में ईश्वर दिख जाए,
आस्था का अटूट सहारा,
जीवन सहज पथ पर लाए
हृदय- बुद्धि का संगम हो,
सत्य का साक्षात्कार मिले,
जीवन बन जाए साधना,
श्वासों में प्रभु विस्तार दिखे।।

श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश और कर्मनिष्ठा के साथ राज्य का संचालन करने वाले मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

अंजनी सक्सेना

डॉ. मोहन यादव की शिक्षा-दीक्षा जिस भूमि पर हुई, वह भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की प्रतिष्ठित धरोहर के रुप में सुविख्यात धार्मिक नगरी उज्जैन है। यह वही पावन भूमि है जहाँ गुरु सांदीपनि के आश्रम में भगवान कृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की थी। उज्जैन केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, वह धर्म, दर्शन, ज्योतिष और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है। जिस धरती पर श्रीकृष्ण ने नीति और जीवन का ज्ञान अर्जित किया, उसी धरती पर मोहन यादव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पाई। इस सांस्कृतिक वातावरण ने उनके व्यक्तित्व को गहराई दी।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोस्त्वकर्मणि *भगवद गीता (अध्याय 2, श्लोक 47)*

कर्म को ही अधिकार मानने और फल की आसक्ति से दूर रहने का यह संदेश भारतीय जीवन-दर्शन का सार है। जब कोई जनप्रतिनिधि इस भावना को अपने व्यवहार में उतारता है, तब उसका सार्वजनिक जीवन केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं रहता, वह मूल्य आधारित नेतृत्व का उदाहरण बन जाता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का व्यक्तित्व और जीवन-यात्रा इसी कर्मयोगी दृष्टि से जुड़ी दिखाई देती है। उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके कार्यों के साथ-साथ उनके जीवन-दर्शन और पारिवारिक पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक हो जाता है। डॉ. मोहन यादव की शिक्षा-दीक्षा जिस भूमि पर हुई, वह भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की प्रतिष्ठित धरोहर के रुप में सुविख्यात धार्मिक नगरी उज्जैन है। यह वही पावन भूमि है जहाँ गुरु सांदीपनि के आश्रम में भगवान कृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की थी। उज्जैन केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, वह धर्म, दर्शन, ज्योतिष और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है। जिस धरती पर श्रीकृष्ण ने नीति और जीवन का ज्ञान अर्जित किया, उसी धरती पर मोहन यादव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पाई। इस सांस्कृतिक वातावरण ने उनके व्यक्तित्व को गहराई दी। उनके भीतर कर्तव्य, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास केवल राजनीतिक प्रशिक्षण से नहीं, उस सांस्कृतिक परिवेश से भी हुआ जिसने सदियों से इस क्षेत्र को विशिष्ट बनाया है। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि साधारण रही है। एक सामान्य परिवार में जन्मे और पले-बढ़े मोहन यादव ने जीवन की प्रारंभिक अवस्थाओं में ही श्रम और संयम का महत्व समझा। माता-पिता ने उन्हें ईमानदारी, सादगी और समाज के प्रति संवेदनशीलता के संस्कार दिए। यही संस्कार आगे चलकर उनके सार्वजनिक जीवन की आधारशिला बने। आज जब वे राज्य की सर्वोच्च जिम्मेदारी निभा रहे हैं, तब भी उनके व्यवहार में वही सादगी दिखाई देती है, जो उनके प्रारंभिक जीवन का हिस्सा रही। छात्र जीवन में उनका जुड़ाव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हुआ। परिषद ने उन्हें संगठनात्मक जीवन का अनुभव दिया। छात्र राजनीति के माध्यम से उन्होंने नेतृत्व, संवाद और सामूहिक कार्यशैली को निकट से समझा। परिषद के अनुशासन से राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना उनके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन गयी। इसके साथ ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी जुड़े रहे। संघ के संस्कारों ने उन्हें सादगी, अनुशासन, समयबद्धता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने की प्रेरणा दी। परिवार से मिले मूल्य और संगठन से प्राप्त प्रशिक्षण ने उनके व्यक्तित्व को संतुलित और स्थिर बनाया। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका आचरण यह स्पष्ट करता है कि वे पद को व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, दायित्व के रूप में देखते हैं। मुख्यमंत्री निवास को लेकर उनका दृष्टिकोण इस सोच का उदाहरण है। वे वहाँ अकेले रहते हैं। परिवार को स्थायी रूप से वहाँ नहीं रखते। कई अवसरों पर जब उनसे इस विषय में पूछा गया, तो उन्होंने सहजता से कहा कि यह निवास मुख्यमंत्री के पद को मिला है, व्यक्ति या उसके परिवार को नहीं। यह विचार केवल विनम्रता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा की गहरी समझ का प्रतीक है। वे मानते हैं कि पद अस्थायी है, व्यक्ति नहीं। इसलिए पद की गरिमा को बनाए रखना आवश्यक है। उन्हें मिली सुविधाओं का वे और उनके परिजन सीमित उपयोग करने का प्रयास करते हैं। यह सोच सार्वजनिक जीवन में शुचिता और पारदर्शिता की भावना को मजबूत करती है। उनकी सहजता और सुलभता ने उन्हें कम समय में जनमानस के निकट ला दिया। प्रशासनिक कार्यक्रमों और औपचारिक बैठकों के बीच भी वे आम नागरिक से संवाद का अवसर नहीं छोड़ते। कई बार किसी दौरे पर जाते समय वे रास्ते में काफिला रुकवा देते हैं। सड़क किनारे भुट्टा बेचने वाले से बातचीत कर लेते हैं, उसका हालचाल पूछते हैं, भुट्टा खरीदकर वहीं खा लेते हैं। कभी किसी छोटी चाय की दुकान पर रुककर चाय पी लेते हैं और दुकानदार से सामान्य बातचीत कर लेते हैं। यह व्यवहार किसी औपचारिकता का परिणाम नहीं, उनके स्वभाव का हिस्सा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी यह सरल अंदाज कायम है। यह शैली उन्हें जनता के बीच सहज और विश्वसनीय बनाती है। डॉ. मोहन यादव अपने कर्म और निर्णयों से संदेश देने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने केवल मंच से सादगी और संयम की बात नहीं की, अपने निजी जीवन में भी उसे अपनाया। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अपने दोनों बेटों का विवाह संपन्न कराया। दोनों ही विवाह गरिमामय और सम्मानजनक ढंग से हुए। उनमें अनावश्यक दिखावा या भव्यता का प्रदर्शन नहीं था। छोटे बेटे का विवाह, विवाह सम्मेलन के माध्यम से हुआ। यह निर्णय समाज के लिए एक स्पष्ट संदेश था कि वैवाहिक संस्कार की पवित्रता खर्च और तामझाम से नहीं बढ़ती। सादगीपूर्ण और संयमित विवाह भी उतना ही सम्मानजनक होता है। आज के समय में विवाह समारोह अक्सर प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन का माध्यम बन जाते हैं। कई परिवार सामाजिक दबाव के कारण अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर बैठते हैं। ऐसे वातावरण में यदि राज्य का मुख्यमंत्री अपने परिवार में सादगीपूर्ण विवाह का उदाहरण प्रस्तुत करे, तो वह समाज में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है। यह संदेश देता है कि सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार दिखावा नहीं, मूल्य और संस्कार होने चाहिए। उनके इस निर्णय में परिवार की भी सहमति और सहभागिता रही। यह सामूहिक प्रयास था, जिससे समाज को संयम और संतुलन का संदेश मिला। उनका जीवन यह भी दर्शाता है कि नेतृत्व केवल नीतियों के निर्माण से नहीं, व्यक्तिगत आचरण से स्थापित होता है। यदि नेता स्वयं सादगी अपनाए, तो वह प्रशासनिक तंत्र और समाज दोनों के लिए उदाहरण बनता है। यदि वह पद की मर्यादा को निजी जीवन में भी महत्व दे, तो शासन की विश्वसनीयता बढ़ती है। मुख्यमंत्री निवास में अकेले रहने का निर्णय, सरकारी सुविधाओं का सीमित उपयोग, आम नागरिक से सहज संवाद और पारिवारिक आयोजनों में सादगी ये सभी पहलू मिलकर उनके व्यक्तित्व की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत करते हैं। उज्जैन की सांस्कृतिक भूमि, जहाँ श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की, वहाँ पले-बढ़े एक व्यक्ति का जीवन यदि कर्मयोग, सादगी और सामाजिक संदेश का माध्यम बने, तो यह परंपरा की निरंतरता का संकेत है। उज्जैन की आध्यात्मिक विरासत और संगठनात्मक जीवन के अनुशासन ने उनके भीतर संतुलन और स्थिरता का भाव विकसित किया। यही कारण है कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच भी उनके व्यवहार में सहजता बनी रहती है। उनके जन्मदिन के अवसर पर यह कहना उचित होगा कि उन्होंने अपने कर्मों से यह दिखाया है कि राजनीति मूल्य आधारित भी हो सकती है। पद को दायित्व समझना, सुविधाओं को अधिकार नहीं बल्कि जिम्मेदारी मानना, सामाजिक आयोजनों में संयम अपनाना और जनता के बीच सहज रहना,ये सभी गुण लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान हैं। आज लोकतंत्र में पद पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह प्रेरणा का विषय हो सकता है कि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और सादगी केवल भाषणों से नहीं आती, उसे आचरण में उतारना पड़ता है। यदि पद को व्यक्ति से ऊपर माना जाए और समाज को केंद्र में रखा जाए, तो शासन व्यवस्था अधिक उत्तरदायी और संवेदनशील बन सकती है। अंततः वही श्लोक पुनः स्मरण होता है *ल्लकर्मण्येवाधिकारस्तेइङ्क।* कर्म ही अधिकार है, फल की चिंता से परे रहकर कर्तव्य निभाना ही सच्चा नेतृत्व है। डॉ. मोहन यादव का जीवन और उनके निर्णय इस भावना को व्यवहार में उतारते हुए दिखाई देते हैं। उनके जन्मदिन पर यही शुभकामना है कि वे इसी सादगी, संयम और कर्मनिष्ठा के साथ राज्य का नेतृत्व करते रहें और अपने आचरण से समाज को सकारात्मक दिशा देते रहें। यही उनके जीवन की वास्तविक उपलब्धि और लोकतांत्रिक मर्यादा की सच्ची अभिव्यक्ति है।

जिलाधिकारी ने नगर निकायों व डूडा कार्यों की समीक्षा की, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों तथा डूडा के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्यों में शिथिलता पाये जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये। मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत नगर निकायों में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान नगर पालिका परिषद भरवारी में कार्य लंबित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने और उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही, भरवारी के अवर अभियंता को हटाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर को भरवारी के निर्माण कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी दारानगर, चरवा और पश्चिम शरीरा को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों में बाउंड्रीवाल, शौचालय एवं टाइल्स कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराए जाएं। साथ ही विद्यालयों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा नगर निकायों में स्वच्छता कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। 15वें वित्त आयोग, वंदन योजना, नगरोदय योजना तथा सीवरेज एवं जल निकासी योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों का नियमित अनुश्रवण करने और स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। डूडा के कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना अधिकारी आकाश सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। बैठक में अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड की प्रगति पर डीएम ने दिखाई सख्ती रैंकिंग सुधारने के दिये निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में आयोजित बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न योजनाओं एवं इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कई विभागों की फरवरी माह की रैंकिंग पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना, स्वयं सहायता समूह, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी, 15वें वित्त आयोग (पंचायत) तथा नई सड़कों के निर्माण कार्यों में श्रेणी बी, सी एवं डी रैंकिंग प्राप्त होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग शीघ्र सुधार कर श्रेणी ए प्राप्त करें, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना में श्रेणी सी मिलने पर जिलाधिकारी ने विशेष रूप से कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागीय योजनाओं एवं इंडिकेटर्स की नियमित निगरानी करें और रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व टीवी दिवस पर एएसएमसी कौशांबी द्वारा जागरूकता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कौशांबी द्वारा विश्व टीबी दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय छोगरिया का पूरा में जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के प्रति लोगों को जागरूक करना, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को समझाना तथा टीबी मुक्त समाज की दिशा में सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. हरिओम कुमार सिंह ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। इसके पश्चात चिकित्सा टीम द्वारा जनसमुदाय एवं विद्यालयों में जाकर टीबी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य ने कहा कि टीबी एक संक्रामक रोग है, लेकिन इसका पूर्ण उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, बुखार, वजन कम होना तथा रात में पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच करानी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में टीबी का बोझ सबसे अधिक है और हर वर्ष लाखों लोग इससे प्रभावित होते हैं। टीबी चेस्ट विभाग के डॉ. संजीव कुमार सिंह ने रोग के कारण, लक्षण, जांच एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा टीबी की जांच एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है तथा मरीजों को नियमित रूप से दवा का सेवन करना अत्यंत आवश्यक है। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. संतोष कुमार ने टीबी से बचाव के उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पोषण, स्वच्छता, खांसते-छींकते समय मुंह ढकना तथा समय पर जांच एवं उपचार अत्यंत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि टीबी मरीजों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए, बल्कि उनका सहयोग करना चाहिए। साथ ही सरकार द्वारा मरीजों को 1000 रुपये प्रतिमाह की पोषण सहायता भी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान आए हुए मरीजों की जांच की गई एवं आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवा वितरित की गई। अंत में सभी उपस्थित लोगों को टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु जागरूक रहने एवं दूसरों को जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के संकाय सदस्य, स्वास्थ्य कर्मी एवं इंटर्न उपस्थित रहे।

बारात घर का भूमि पूजन कर सीसी सड़क का किया लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सदर विधायक ने क्षेत्रवासियों को दी विकास की सौगात
- जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने का दिलाया पक्का भरोसा

बांदा। जनसमस्याओं के निस्तारण के प्रति सदैव सक्रिय रहने वाले सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी क्षेत्र में विकास के नित नए आयाम रच रहे हैं। जगह-जगह भूमिपूजन व लोकार्पण करके लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इसीक्रम में विधानसभा क्षेत्र के बिलगांव में विकास को नई गति देते हुए सदर विधायक ने जहां बारात घर का भूमि पूजन कर काम की शुरूआत कराई, वहीं गांव में नवनिर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण किया।

बिसंडा विकास खंड के बिलगांव में बारात घर के भूमि पूजन और सीसी सड़क के लोकार्पण के अवसर पर सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने बारात घर को ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताया। कहा कि बारात घर न केवल वैवाहिक व पारिवारिक आयोजना का केंद्र बनेगा, बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी साक्षी बनेगा। कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में गांव-गांव सड़कों का ऐसा जाल बिछाया है क एक गांव से दूसरे गांव तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे आने वाले समय विकास के और भी कई काम प्रस्तावित हैं। कहा कि सड़कों के निर्माण से जहां लोगों को आवागमन में सुगमता मिलती है, वहीं क्षेत्र के समग्र विकास को भी एक नई दिशा मिलती। कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश की योगी सरकार के नेतृत्व में वह निरंतर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रीय जनता के स्नेह, विश्वास और सहयोग को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा बताया। कहा कि वह जन आकांक्षाओं पर हर समय खरे उतरने का प्रयास करते हैं। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला, बिसंडा मंडल अध्यक्ष विनय कुशवाहा, विष्णु सेंगर, ज्ञानदत्त पाण्डेय, कृष्ण कुमार तिवारी, करन, राजर्षि शुक्ला, मनीष तिवारी, संजय गुप्ता, शैलेंद्र सिंह (शैलू) समेत तमाम ग्रामीण व क्षेत्रवासी माजूद रहे।

औचक निरीक्षण में पालिका की खुली पोल, मौके पर नहीं मिले सफाई कर्मचारी

शुक्लागंज, उन्नाव। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र श्कुन्डेय ने मंगलवार को नगर पालिका गंगाघाट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और उनके वेतन भुगतान की स्थिति का जायजा लिया। हालांकि, कागजों में व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलने के बावजूद मौके पर सफाई कर्मचारियों के न मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जाहिर की। सुबह करीब 11 बजे पालिका कार्यालय पहुंचे आयोग के सदस्य ने सबसे पहले सफाई कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और कार्यशैली से जुड़े दस्तावेजों की गहनता से पड़ताल की। दस्तावेजों में वेतन समय पर मिलने और अन्य सुविधाएं सही पाई गईं। लेकिन जब उन्होंने वास्तविकता जानने के लिए सफाई कर्मचारियों को सामने बुलाने को कहा, तो पालिका प्रशासन उन्हें पेश नहीं कर सका।

श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा के तहत 220 श्रद्धालु अयोध्या धाम रवाना

- पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने की पहल की सराहना, निजी संसाधनों से सेवा भाव का अनूठा उदाहरण
- सदर विधायक पंकज गुप्ता ने ग्राम शेषपुर नरी से तीन बसों को दिखाई हरी झंडी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। प्रभु श्रीराम की कृपा और बुजुर्गों के आशीर्वाद से संचालित पंकज गुप्ता श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा के अंतर्गत रविवार को ग्राम शेषपुर नरी से करीब 220 श्रद्धालुओं का दल अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह उपस्थित रहे।

मंत्री धर्मपाल सिंह ने अपने संबोधन में इस पहल को समाज में सेवा और भक्ति की भावना को बढ़ावा देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का कार्य कर रही हैं, वहीं सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा निजी संसाधनों से इस प्रकार की धार्मिक यात्रा का संचालन सराहनीय है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने तीन बसों को हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय क्षण है। प्रभु श्रीराम की कृपा से उन्हें अपने बुजुर्गों और समाज के लोगों को अयोध्या धाम के दर्शन कराने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के जयघोष, भक्ति-कीर्तन और श्रीराम के मंगल नाम से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो अयोध्या धाम की पावन छटा गांव में ही उतर आई हो।

इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नंदू, पुरवा विधायक अनिल सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, सुशील रावत, सुरेश शुक्ला, प्रखर गुप्ता, पूर्व प्रधान मुनेश्वर लोधी, प्रधान विनय यादव, रामौतार, विश्वनाथ, गौरी, उमेश राव, फूलचंद्र, कोटेदार विजय बहादुर, रंजीत प्रधान, नरेंद्र निषाद, धीरज सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

साहिल सिटी इंटर कॉलेज का हुआ भव्य उद्घाटन, शिक्षा के महत्व पर जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

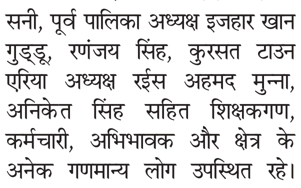

बांगरमऊ-उन्नाव। संडीला रोड स्थित साहिल सिटी इंटर कॉलेज का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने शिक्षा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की प्रगति और राष्ट्र निर्माण का सबसे मजबूत आधार है।

उद्घाटन के पश्चात शकुन सिंह ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने आधुनिक साज-सज्जा से युक्त भवन, सुव्यवस्थित कक्षाएं, बेहतर फर्नीचर, स्वच्छ वातावरण और सुदृढ़ शैक्षणिक व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों को बेहतर वातावरण, योग्य शिक्षक और आधुनिक संसाधन मिलें, तो वे जीवन में निश्चित रूप से बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में इस प्रकार के आधुनिक शिक्षण संस्थानों की स्थापना से ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। इससे अभिभावकों को अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक मोहम्मद आरिफ ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शशांक शेखर सनी, पूर्व पालिका अध्यक्ष इजहार खान गुड्डू, रणंजय सिंह, कुरसत टाउन एरिया अध्यक्ष रईस अहमद मुन्ना, अनिकेत सिंह सहित शिक्षकगण, कर्मचारी, अभिभावक और क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

25 हजार के इनामी बदमाश ने जौनपुर की अदालत में किया आत्मसमर्पण

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के चर्चित कल्याणपुर गोलीकांड का फरार आरोपित नितिन तिवारी ने जौनपुर के सरपतहा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। सुलतानपुर पुलिस ने इनाम घोषित होते ही इनामी आरोपितों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मूल रूप से जौनपुर के सरपतहा थाना क्षेत्र के चौबाहा गांव का निवासी नितिन तिवारी कल्याणपुर गोलीकांड के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस के बढ़ते दबाव और आज इनाम घोषित होने के बाद उसने अपने गृह जनपद में आत्मसमर्पण कर दिया। सीओ विनय गौतम ने मंगलवार को बताया कि 15 मार्च को अखण्डनगर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में हुई मारपीट और गोलीबारी के मामले में अब तक 12 बदमाशों को जेल भेजा जा चुका है। शेष फरार आरोपितों पर पुलिस अधीक्षक ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई थीं।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई 45 लीटर कच्ची शराब बरामद

- दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी, 300 किलो लहन महुआ नष्ट, एक महिला अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। अवैध मदिरा की बिक्री व परिवहन पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 45 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। इस दौरान 300 किलोग्राम लहन महुआ भी मौके पर नष्ट किया गया।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार चल रहे अभियान में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा आबकारी अधिकारियों के निर्देशन में 23 मार्च 2026 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 पुरवा निशांत सिंह ने स्थानीय पुलिस के साथ थाना मौरावां क्षेत्र के ग्राम लालाखेड़ा में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 35 लीटर कच्ची शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया।

इसके बाद 24 मार्च 2026 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 बीघापुर प्रतिभा सिंह ने पुलिस टीम के साथ तहसील बीघापुर के थाना बिहार अंतर्गत ग्राम केदारखेड़ा में दबिश दी। यहां से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। इस मामले में एक महिला अभियुक्त पिंकी पत्नी पप्पू, निवासी केदारखेड़ा, के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने का प्रयास किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित ने दी पुलिस को तहरीर

सफीपुर-उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र के खोखापुर गांव निवासी दूबर पुत्र फकीर ने गांव के ही सत्यनरायन और विजयशंकर पर मारपीट व धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। पीड़ित के अनुसार, मार्च माह में आरोपियों ने अपने खेत में लाही कटवाने का काम कराया था। 19 मार्च को जब वह अपनी मजदूरी का पैसा मांगने गया, तो इसी बात को लेकर दोनों आरोपियों ने उसे लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया और गाली-गलौज की। मारपीट के दौरान एक लाठी उसकी आंख में लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी एक आंख की रोशनी पूरी तरह खत्म होने की बात कही। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस में शिकायत करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

विशाल जागरण व भंडारे का हुआ आयोजन

शुक्लागंज उन्नाव। नगर के शंकरपुर सराय स्थित माँ काली मंदिर में सोमवार की रात भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहाँ आयोजित विशाल जागरण और भंडारे में भक्तों ने पूरी रात माता रानी की महिमा का गुणगान किया और भक्ति रस में सराबोर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ काली की विशेष पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुआ। न्यू कृष्णा जागरण पार्टी के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। भजन गायक सुरजीत अलबेला, मुकुल बाजपेई और कल्पना द्विवेदी ने बेटा बुलाए झट दौड़ी चली आई मां और माता ने बुलाया है जैसे कर्णप्रिय भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण के दौरान प्रस्तुत की गई देवी-देवताओं की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

उद्धव-गोपी संवाद और रूक्मिणी विवाह कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में ड्रमंडगंज क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन मंगलवार को श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। अंबेडकर नगर से पधारे कथावाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री ने उद्धव-गोपी संवाद और भगवान श्रीकृष्ण-रूक्मिणी विवाह की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथावाचक ने कहा कि भगवान निराकार होते हुए भी सृष्टि के कण-कण में विद्यमान हैं। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने ज्ञान के अहंकार को दूर करने के लिए उद्धव को ब्रज भेजा था, जहां गोपियों के निष्काम प्रेम और अटूट भक्ति को देखकर उद्धव भी भावविभोर हो गए और अपना ज्ञान भूल बैठे। यह प्रसंग भक्ति की सर्वोच्चता को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि भगवान का सच्चे मन से स्मरण करने मात्र से मनुष्य संसार रूपी भवसागर को पार कर सकता है। श्रीमद्भागवत कथा न केवल जीवन में आध्यात्मिक जागरूकता लाती है, बल्कि व्यक्ति को ईश्वर के प्रति समर्पण की प्रेरणा भी देती है। कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण और रूक्मिणी विवाह की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि यह प्रसंग प्रेम, विश्वास और धर्म की विजय का प्रतीक है। कथा के दौरान श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर कथा श्रवण करते रहे। अंत में श्रीमद्भागवत महापुराण की आरती उतारी गई और भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया।

आशा कार्यकत्रियों ने मांगों को लेकर निकाला पैदल मार्च

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले मंगलवार को आशा कार्यकत्रियों ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकत्रियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को उपमुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष मिथिलेश सोलंकी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता सीएमओ कार्यालय परिसर में एकत्रित हुईं और वहां से नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचीं। यहां उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अपने ज्ञापन में कार्यकत्रियों ने बताया कि 6 फरवरी को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ हुई वार्ता के बाद 55 दिनों से चल रहा आंदोलन समाप्त कर दिया गया था। उस समय एक मांग के आंशिक हिस्से को छोड़कर अन्य मांगों पर सहमति बन गई थी, लेकिन अब तक तीसरे चरण की वार्ता नहीं हो सकी है।

अवैध सम्बन्धों के चलते हुई थी युवक की हत्या, हत्यारोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। थाना एका पुलिस टीम ने आठ दिन पूर्व नहर से बरामद युवक के शव की शिनाख्त कर मंगलवार को उसकी हत्या का खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकारा कि उसने अवैध सम्बन्धों को लेकर युवक की अंगोछे से गला घोटकर हत्या कर शव की नहर में फेंका था। थाना प्रभारी संजुल पांडेय ने मंगलवार को बताया कि 17 मार्च की शाम को जेड़ा झाल नहर से एक युवक का शव बरामद हुआ था। शव की शिनाख्त परिजनों ने एका निवासी अरविन्द के रूप में की थी। पुलिस ने 22 मार्च को मृतक के परिजनों की तहरीर पर नामजद अभियुक्त योगेश उर्फ कन्हैया के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस टीम ने मंगलवार को एक सूचना पर हत्यारोपी योगेश उर्फ कन्हैया को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक अंगौछा की बरामदगी हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह एक ट्रक ड्राइवर है जोकि हरियाणा की ट्रांसपोर्ट कंपनी में ट्रक चलाता है। होली पर वह अपने गांव आया था। तब पता चला कि उसकी बहन और पत्नी के अवैध संबंध अरविन्द (मृतक) व उसके भाई के साथ है। इसी बात से क्षुब्ध होकर वह प्लानिंग के तहत अरविन्द को 16 मार्च को मोटरसाइकिल से जेडा नहर के पास ले गया। दोनों ने पहले बीयर पी। इसके बाद अरविन्द के गले में पड़े अंगोछे से उसकी गला घोटकर हत्या कर शव को नहर में फ़ेक दिया। पुलिस ने हत्यारोपित को को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 16.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

1.	निविदा सूचना संख्या	03272026 दिनांक 21.03.2026			
2.	निविदा संख्या	1.	34-SrDEN-V-LKO-2025-26	2.	35-SrDEN-V-LKO-2025-26
		3.	36-SrDEN-V-LKO-2025-26	4.	37-SrDEN-V-LKO-2025-26
3.	कार्य का नाम	1.	Sr.DEN&V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, ADEN/AYC के अधीन SSE/W/AYC के AYC में ड्रेन का निर्माण कार्य एवं ABP.SLW सेक्शन में शेष कार्य।		
		2.	Sr.DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न पुलों पर स्टील चैनल स्लीपरों के स्थान पर H-Beam स्लीपरों को लगाना। (प्रा.सं. 18-2025 & 39-2026)		
		3.	Sr.DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ADEN-AYC के अधीन, SSE-W-AYC सेक्शन में (AY और AYC को छोड़कर) ABP (Ex.) से DYD स्टेशन तक स्टेशन भवन की मरम्मत का कार्य। (प्रा.सं. 38-2026)		
		4.	Sr.DEN-V/LKO के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ADEN/AYC खंड में पुल का विविध मरम्मत कार्य। (प्रा.सं. 37-2026)		
4.	अनुमानित लागत	1.	Rs. 3,28,61,100.85	2.	Rs. 2,61,50,224.36
		3.	Rs. 1,99,91,966.96	4.	Rs. 49,99,248.13
5.	धरोहर राशि	1.	Rs. 6,57,700.00	2.	Rs. 5,23,000.00
		3.	Rs. 3,99,800.00	4.	Rs. 1,00,000.00
6.	कार्य की समापन अवधि	1 एवं 2 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह।		
		3 एवं 4 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह।		
7.	निविदा डालने का प्रारंभ	02.04.2026			
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	16.04.2026 at 15:00 hrs			
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in			

नोटः- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 977/26

मितौली में एचपीवी टीकाकरण अभियान का भव्य शुभारंभ

- पूर्व सांसद जुगल किशोर ने फीता काटकर किया उद्घाटन
- 14-15 वर्ष की किशोरियों को मुफ्त लगेगा टीका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मितौली में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य, प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सीएचसी प्रभारी एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर तथा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जुगल किशोर ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं और बेटियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे गंभीर बीमारियों की रोकथाम समय रहते की जा सके। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण एक प्रभावी उपाय है और अभिभावकों को अपनी बेटियों का टीकाकरण अवश्य कराना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार गरीबों के उत्थान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार सरकारी एवं सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा सरकारी अस्पतालों में जांच एवं दवाएं भी मुफ्त प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है सीएचसी प्रभारी डॉ. देवेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को निःशुल्क वैक्सीन लगाई जाएगी।

सिकन्दराबाद के दो छात्रों ने किया कमाल, सर्वोदय विद्यालय सीतापुर में चयन

अज़ान खीरी। नवोदय क्लासेज़, सिकन्दराबाद के मेधावी विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। कक्षा-8 की प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो छात्रों का चयन जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालय, सीतापुर में हुआ है, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। चयनित छात्रों में उबैदुल्ला पुत्र मोहम्मद युसुफ (ग्राम सिरसा) और अलतमस पुत्र रिजवान (ग्राम बैबहा) शामिल हैं। दोनों विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता हासिल की है। संस्थान के शिक्षक अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि इस वर्ष कक्षा-8 में मात्र दो सीटें ही उपलब्ध थीं, जिनके लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी।

दवा लेने ससुराल आई विवाहिता लापता बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र की अज़ान चौकी अंतर्गत ग्राम अल्लीपुर निवासी राम किशोर गौतम ने पुलिस चौकी अज़ान में तहरीर देकर अपनी विवाहिता पुत्री प्रियंका के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को उसके पति के साले के साले सुधाकर पुत्र राम विलास बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पीड़ित के अनुसार प्रियंका के साथ उसका नाबालिग बेटा अमन और करीब 30 हजार रुपये नकद भी ले जाए गए हैं। तहरीर में बताया गया है कि प्रियंका की शादी 13 मई 2018 को महोली थाना क्षेत्र के ग्राम सूरज कुंड निवासी प्रमोद कुमार के साथ हुई थी। विवाह के बाद से दंपती अपने दो बच्चों–राखी और अमन–के साथ चंडीगढ़ में रहकर मजदूरी कर अपना जीवन-यापन कर रहे थे। परिजनों के अनुसार, हाल ही में आंख में समस्या होने के कारण प्रियंका दवा लेने के लिए ससुराल आई थी। 11 मार्च को वह अपनी सास के साथ सीतापुर जाकर दवा लेकर वापस सूरज कुंड लौटी। 12 मार्च को उसने अपने पति प्रमोद कुमार को फोन कर बताया कि वह दवा लेकर चंडीगढ़ वापस आ रही है, लेकिन इसके बाद वह वहां नहीं पहुंची।

जब पति प्रमोद कुमार गांव सूरज कुंड पहुंचा तो पता चला कि प्रियंका एक दिन पहले ही घर से निकल चुकी थी। काफी खोजबीन के बाद जानकारी मिली कि उसे सुधाकर पुत्र राम विलास बहला-फुसलाकर ले गया है। पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले में सुधाकर का भाई सूरज पुत्र राम विलास भी शामिल है पीड़ित पिता राम किशोर गौतम ने बताया कि जब वह अपनी बेटी को वापस लाने के लिए देवकली स्थित सुधाकर के घर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने टालमटोल करते हुए कहा–जब कभी मिलेंगे तो ला देंगे। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी पक्ष ने धमकी भी दी-जो करना है कर लो, हमारा कुछ नहीं कर पाओगे। पीड़ित ने चौकी प्रभारी अज़ान को लिखित तहरीर देकर अपनी बेटी प्रियंका और नाबालिग बेटे अमन की शीघ्र बरामदगी की मांग की है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

गन्ने के खेत में बाघ की आहट से मची अफरा-तफरी, वन विभाग ने जारी की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महेशपुर रेंज की विलहरी बीट अंतर्गत ग्राम कपरहा में उस समय हड़कंप मच गया, जब गन्ने के खेत में बाघ होने की आशंका से मजदूरों में अफरा-तफरी फैल गई। कपरहा निवासी राजीव शुक्ला के गन्ने के खेत में छिलाई का कार्य कर रहे लगभग एक दर्जन मजदूरों ने खेत के भीतर बाघ जैसे जानवर को बैठे देखा, जिसके बाद सभी काम छोड़कर जान बचाकर भाग निकले घटना की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, जिसके चलते मौके पर हजारों की संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में बाघ मित्र सचिव वर्मा और वाचर रोहित ने ग्रामीणों के साथ मिलकर खेत का निरीक्षण किया, हालांकि तब तक बाघ वहां से निकल चुका था मौका मुआयना के दौरान खेतों के आसपास बाघ के पगचिह्न मिलने की पुष्टि हुई, जिससे बाघ की मौजूदगी की आशंका और मजबूत हो गई। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए खेतों में अकेले न जाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को देने की अपील की है इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 213 लोगों का परीक्षण, 8 मोतियाबिंद मरीज चिन्हित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड, चीनी मिल पलिया द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। शिविर में कुल 213 लोगों के नेत्रों की जांच की गई, जिनमें से 8 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर का शुभारंभ यूनिट हेड ओ.पी. चौहान ने फीता काटकर किया। इस दौरान सीतापुर आंख अस्पताल से आईं डॉ. आयुषी एवं उनकी टीम के साथ चीनी मिल के डॉ. मयंक गुप्ता ने मरीजों का परीक्षण किया और आवश्यक निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। शिविर में क्षेत्रीय किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जांच के दौरान चिन्हित किए गए 8 मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन के लिए सीतापुर आंख अस्पताल भेजा जाएगा। यूनिट हेड ओ.पी. चौहान ने डॉक्टरों की टीम और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चीनी मिल द्वारा समय-समय पर इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा।

खबर का असर: एक महीने बाद जागी नगर पालिका

कुम्हारन टोला के क्षतिग्रस्त नाले की मरम्मत

- चाट विक्रेता के घायल होने और लगातार खबरों के बाद हरकत में आया प्रशासन
- स्कूली बच्चों व राहगीरों को मिली राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। नगर पालिका प्रशासन की लंबे समय से चली आ रही लापरवाही आखिरकार उजागर होने के बाद समाप्त होती दिखी, जब मंगलवार को कुम्हारन टोला चौराहे पर स्थित क्षतिग्रस्त नाले की मरम्मत कर दी गई। करीब एक महीने से टूटा पड़ा यह नाला राहगीरों और स्कूली बच्चों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ था। 'राष्ट्रीय प्रस्तावना' समाचार पत्र द्वारा इस समस्या को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने और एक गरीब चाट विक्रेता के घायल होने की घटना के बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, लगभग एक माह पूर्व सीमेंट और गिट्टी से लदी एक भारी ट्रॉली के गुजरने के दौरान नाले पर रखा पत्थर टूट गया था। इसके बाद से ही मुख्य मार्ग पर गहरा गड्ढा बन गया था, जिससे आए दिन लोग असुविधा और खतरे का सामना कर रहे थे। कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे थे। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब बीते सोमवार को एक गरीब चाट विक्रेता का ठेला इसी गड्ढे में पलट गया। हादसे में उसे चोटें आईं और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे मामले को 'राष्ट्रीय प्रस्तावना' द्वारा लगातार उठाए जाने और जनदबाव बढ़ने के बाद मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष व संबंधित अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। इसके बाद आनन-फानन में नाले पर नया पत्थर डलवाकर मार्ग को सुरक्षित कराया गया।

गौरतलब है कि यह चौराहा नगर के अत्यंत व्यस्त क्षेत्रों में से एक है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। पास में स्थित राम श्री विद्या मंदिर के छोटे-छोटे बच्चों का भी लगातार आवागमन रहता है। इसके अलावा सब्जी मंडी, खुटार रोड और मिल रोड जैसे प्रमुख मार्ग भी इसी स्थान पर मिलते हैं, जिससे यहां दिनभर वाहनों और पैदल यात्रियों की भारी आवाजाही बनी रहती है मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि स्कूल के पास स्थित इस गड्ढे से बच्चों की जान को हर समय खतरा बना रहता था, जो अब टल गया है स्थानीय लोगों ने 'राष्ट्रीय प्रस्तावना' समाचार पत्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया की सक्रियता और जनहित में उठाई गई आवाज के कारण ही प्रशासन हरकत में आया। साथ ही नागरिकों ने यह भी कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान कर दिया गया होता, तो चाट विक्रेता को नुकसान और चोट से बचाया जा सकता था।

वन विभाग नाकाम, ग्रामीण बने 'रक्षक, बेलाकलां में तेंदुए को खुद पकड़ने पर मजबूर हुए लोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकलां खीरी। मझगई रेंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलाकलां के लोहरा गांव में वन विभाग की लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई। कई दिनों से गांव और आसपास के इलाकों में दहशत फैला रहे तेंदुए को आखिरकार ग्रामीणों ने खुद ही पकड़ लिया, जबकि विभाग को इसकी सूचना लगातार दी जा रही थी। ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुए की मौजूदगी और उसके हमले में दो लोगों के घायल होने की जानकारी बार-बार वन विभाग को दी गई, लेकिन न तो कोई टीम मौके पर पहुंची और न ही कोई ठोस कार्रवाई की गई। विभाग की इस अनदेखी से लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि वन विभाग कागजों में वन्यजीव संरक्षण के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। न तो वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पा रही है और न ही गांवों में बढ़ रहे मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोका जा रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही संपूर्णानगर रेंज की परसपुर बीट में एक तेंदुए का शव मिला था। इसके बाद अब जीवित तेंदुए को ग्रामीणों द्वारा पकड़ लिए जाने की घटना ने विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि वन विभाग समय रहते सक्रिय नहीं हुआ, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

कोल्ड स्टोरेज हादसे में मृत चारों मजदूरों के शव का हुआ पोस्टमार्टम

- सपा नेता पूर्व मंत्री अंसार अहमद सहित 7 नामजद एवं पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में हुए कोल्ड स्टोरेज हादसे में मृत चारों मजदूरों के शवों का मंगलवार दोपहर बाद किया गया। पुलिस ने हादसे में मृत बिहार के तीन मजदूरों का शव सरकारी एम्बुलेंस से भिजवाया। जबकि हादसे में मृत कोल्ड स्टोरेज के आपरेटर जगदीश का शव उसके परिवार को अंतिम संस्कार के लिए शौप दिया गया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि हादसे में मृत आदर्श कोल्ड स्टोरेज का आपरेटर प्रयागराज जिले के फाफामऊ थाना क्षेत्र के चंदापुर मलाका हर-हर निवासी जगदीश सिंह (36) पुत्र अशोक कुमार का शव उसके भाई प्रवीन को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए दे दिया गया। हादसे में मृत बिहार के सहरसा जिले में स्थित सलखुआ थाना क्षेत्र के पिपरा बेलवा निवासी सनोज चौधरी (३६) पुत्र स्वर्गीय विद्यानंद चौधरी, मसीन्दर सादा (19) पुत्र सक्को सादा, ज्योतिष सादा (18) पुत्र मुन्नुलाल सादा का शव बिहार से उमेश चौधरी एवं उनके परिवार के सदस्यों को सरकारी एम्बुलेंस के माध्यम से बिहार के लिए भेज दिया गया। हादसे में मृत सभी मजदूरों की मौत गंभीर चोंट आने की वजह से हुई है। डीसीपी गंगानगर ने बताया कि इस संबंध फाफामऊ थाने में हत्या सहित विभिन्न धाराओं में कोल्ड स्टोरेज मालिक अंसार अहमद निवासी चंदापुर, उनके बेटे मंसूर, मैनेजर उस्मान, अलाउद्दीन, मो.असलम बाबा, जावेद, मो.इरफान और पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने अंसार अहमद सहित चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आलू एवं अन्य सामान को ले रहे लोगहादसे के बाद मंगलवार को मलवा हटाने में प्रशासन की टीमें लगी हुई हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोग सुबह से आलू भरकर ले जा रहे हैं। कुछ लोग मलवे से निकलने वाली सरिया और ईंट ढोकर अपने अपने घरों में ले जा रहे हैं। निलम्बित किए गए जिला उद्यान अधिकारी इस प्रकरण में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर जिला उद्यान अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव को निलम्बित कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रांची में चमका गोला का सितारा: अभिनव कश्यप ने जीता कांस्य पदक

गोला गोकर्णनाथ खीरी। झारखंड के रांची में आयोजित 28वीं सब जूनियर नेशनल सेपक टकरा चैंपियनशिप में नगर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अभिनव कश्यप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे नगर में हर्ष का माहौल है और खेल प्रेमियों में गर्व की भावना देखी जा रही है। अभिनव कश्यप, जो गोला गोकर्णनाथ के जहांपुर क्षेत्र के निवासी हैं, ने कड़ी मेहनत और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस सफलता ने न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश से जुड़े पूर्व आईबीटी अधिकारी एवं सेपक टकरा एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी तान सिंह ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले की पहचान को मजबूत किया। प्रतियोगिता के उपरांत उन्होंने इंटरनेशनल सेपक टकरा फ़ेडरेशन (ऋट्टइक्क) के महासचिव दातुक अब्दुल हामिद कादिर से विशेष मुलाकात कर खेल के विकास पर चर्चा की स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने अभिनव की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बस-कार हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के लिए सार्वजनिक सूचना जारी

लखीमपुर खीरी। उप जिला मजिस्ट्रेट सदर द्वारा बस-कार दुर्घटना प्रकरण में मजिस्ट्रियल जांच के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। यह दुर्घटना 28 सितंबर 2025 को प्रातः लगभग 6 बजे हैदराबाद क्षेत्र अंतर्गत ओयल नहर मोड़ पर गोला डिपो की बस संख्या यूपी 31 टी-8792 और ओमनी वैन संख्या यूपी-32 जेएस 4961 के बीच हुई थी। हादसे में सुनील कुमार पुत्र सीताराम निवासी पिपरिया सदर खीरी, सरफराज पुत्र सलमान निवासी नौरंगाबाद तथा एक अज्ञात व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। वहीं सर्वेश पुत्र जगदम्मा निवासी रामलालपुरवा ईसानगर, दिलखुश पुत्र लालबाबू, निशा पत्नी सलमान, सलमान पुत्र महमूद अली, शारदा प्रसाद, संजय पुत्र मायाराम एवं भोला पुत्र रंगीलाल घायल हुए थे। प्रशासन द्वारा मृतकों एवं घायलों को उत्तर प्रदेश कराधान नियमावली-1998 के अंतर्गत राहत प्रदान किए जाने के संबंध में इस प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच कराई जा रही है। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर नामित जांच अधिकारी द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पूर्व में 27 फरवरी 2026 को जांच की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन उस दिन कोई भी व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ और न ही कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया गया। अब पुनः 27 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे कार्यालय उप जिला मजिस्ट्रेट सदर, कलेक्ट्रेट लखीमपुर-खीरी में जांच की तिथि तय की गई है प्रशासन ने सभी संबंधित व्यक्तियों, प्रत्यक्षदर्शियों, मृतकों के परिजनों एवं घायलों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर अपने साक्ष्य एवं अभिकथन प्रस्तुत करें, ताकि जांच प्रक्रिया पूर्ण कर निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

वाराणसी: डोर-टू-डोर कूड़ा उठान में अब कथित अनियमितताओं की होगी जांच

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा उठान व्यवस्था में कथित अनियमितताओं व भुगतान पर नगर निगम ने गंभीर रूख अपनाया है। इस मामले में महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कूड़ा उठान करने वाली कार्यदायी संस्था 'वाराणसी वेस्ट सॉल्यूशन' की कार्यप्रणाली और भुगतान में अनियमितता के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। समिति से सप्ताहभर में जांच रिपोर्ट मांगी गई है। यह जानकारी नगर निगम के जनसम्पर्क कार्यालय ने मंगलवार को दी। बताया गया कि गत 22 मार्च को आयोजित सदन की बैठक में पार्षदों ने डोर-टू-डोर कूड़ा उठान करने वाली कार्यदायी संस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे।

हिन्दू नवसंवत्सर पर्व के शुभ अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय जागरण मंच व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के संयुक्त तत्वावधान में तथा अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव के संयोजन में हिन्दू नवसंवत्सर पर्व के शुभ अवसर पर ब्रह्मा लान बाराबंकी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिन्हें मुख्य अतिथि समस्त मोर्चा व प्रकोष्ठ प्रभारी उ प्र भाजपा ओम प्रकाश जी तथा प्रदेश प्रवक्ता भाजपा हरीशचंद्र श्रीवास्तव जी द्वारा सम्मानित किया गया। सिविल सेवा परीक्षा में सफल ऋह्टट्ट बाराबंकी के अभ्यर्थियों के परिवारों को व प्रतिष्ठित समाजसेवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर व अंगवस्त्र माला पहनाकर व चंदन रोली अक्षत का टीका कर सम्मानित किया गया जिनमें सुयश द्विवेदी पुत्र केएन द्विवेदी , अभिनंदन वर्मा पुत्र जगन्नाथ वर्मा को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया तथा श्री राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली विश्व हिन्दू परिषद की श्रीमती मंजुला निगम जी व हड़ियाकोल वनकुटी में विगत 35 वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित होने निशुल्क आपरेशन शिविर के संयोजक मनीष मल्होत्रा व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, युवा उद्योगपति आशीष श्रीवास्तव, प्रदेश की टाप सोलर कंपनी डायरेक्टर तान्या भरद्वाज,डायट प्रवक्ता रहे वरिष्ठ साहित्यकार डा अंबरीष अंबर जिन्होंने हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान कर समाज को लाभान्वित किया, तथा श्रमिक हितों के लिए सदैव संघर्ष करने वाले सभासद देवराज त्रिपाठी, व दिव्यांगो की सहायता को सदैव तत्पर रहने वाले दिनेश वर्मा सहित अनेकों विशिष्ट गणमान्य जनों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया।

कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा अरविंद मौर्या,सदर प्रत्याशी रही श्रीमती राम कुमारी मौर्या, वरिष्ठ नेता पंकज गुप्ता पंकी, सरोज सिंह, शिक्षाविद शैलेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी, भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष के के मिश्रा,भाजपा नगर अध्यक्ष सूरज सिंह, महामंत्री चंद्र प्रकाश गुप्ता, श्रीमती किरन भरद्वाज, हरपाल सिंह, लखन?ऊ से कायस्थ नेता शेखर श्रीवास्तव, आलोक भटनागर,विनोद जी तथा लखनऊ के व्यापारी नेता नवनीत श्रीवास्तव व पूरी टीम पूर्व नगर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा श्रीमती सरिता सिंह, श्रीमती शिल्पी, अधिवक्ता मालती यादव, आकाशवाणी लोक गायिका श्रीमती कंचन श्रीवास्तव, साहित्यकार श्रीमती मालती बच्चन, अधिवक्ता श्रीमती सुषमा, अमेठी से अवधेश श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव सहित विभिन्न जनपदों से पधारे अनेकों गणमान्य जनों की गरिमामई उपस्थिति रही।

इंद्रजीत सिंह अजर के संचालन में व कर्मयोगी आयोजन समिति के सुबोध श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, सतीश श्रीवास्तव,अजय श्रीवास्तव, पूर्व सैनिक राकेश श्रीवास्तव, अरविंद श्रीवास्तव, राजीव खरे, बलराम श्रीवास्तव,नीरज श्रीवास्तव, हेमंत श्रीवास्तव,डा राकेश श्रीवास्तव,विनय श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, अंशू श्रीवास्तव,शरद श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह,सजल श्रीवास्तव , पंकज मिश्रा आदि के सहयोग से खूबसूरत काव्य धारा व मेहमान नवाजी भोजन इत्यादि के साथ भव्य कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

नकदी और जेवरात लेकर युवती फरार, मुकदमा दर्ज

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र के चांदथोक से एक युवती घर में रखे 25 हजार नकद, सोने चांदी के जेवरात लेकर गायब हो गई है। मंगलवार को पिता ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सुमेरपुर कस्बे की छोटी बाजार चांदथोक निवासी एक किसान ने बताया कि वह पत्नी के साथ खेतों में फसल की कटाई करने गया था। घर में बहू और पुत्री थी। घर लौटने पर बहू ने बताया कि पुत्री बिना बताए गायब है। आसपास पता किया लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। किसान ने बताया कि पुत्री अपने साथ मटर बेचकर घर में रखे गए 25 हजार नकद, एक सोने की अंगूठी, कान के बाले, चांदी के पायल के साथ शैक्षिक अभिलेख साथ ले गई है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने मंगलवार को शाम बताया कि अज्ञात के खिलाफ युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज किया गया है।

टीम के साथ सुरक्षा और आत्मविश्वास का माहौल संयमित रहने में मददगार: गिल

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इंडियन प्रीमियर लीग से पहले सोमवार को यहां कहा कि उनके खेल में जो शांत और धैर्य वाला स्वभाव दिखता है, वह इसलिए है क्योंकि वह खुद पर भरोसा रखते हैं और अपनी टीम के साथ सुरक्षित तथा आत्मविश्वास महसूस करते हैं। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे गिल अब गुजरात टाइटंस के लिए छोटे प्रारूप में वापसी करेंगे। यह फ्रेंचाइजी 2022 की चैंपियन और 2023 की उपविजेता रही है और अपनी एकमात्र खिताबी जीत में इजाफा करना चाहेगी। गिल ने यहां 'शुभारंभ 2026' कार्यक्रम में कहा, मैं बस खुद जैसा हूं और मेरे खेल तथा अपने समूह में जो विश्वास और सुरक्षा है, उसी से मेरे खेल में संयम आता है। गुजरात टाइटंस की टीम अपना अभियान 31 मार्च को पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर शुरू करेगी। गिल ने कहा, किसी भी परिस्थिति में संयमित रहना आपको व्यापक दृष्टिकोण देता है। आप वर्तमान से आगे देख पाते हैं, बड़ी तस्वीर समझ पाते हैं और दीर्घकालिक सोच स्पष्ट हो जाती है। उन्होंने कहा कि यही संयम टीम के मुख्य कोच और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा की भी सबसे बड़ी ताकत है। पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस को एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। नेहरा ने कहा कि इस बार भी ध्यान केवल खिताब जीतने पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा, इस सीजन अलग तरह से सोचने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे सोचने की जरूरत नहीं है, खिलाड़ी सोचते हैं। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं। नेहरा ने कहा, पहले दिन से हमारी सोच स्पष्ट है। हम सिर्फ भाग लेने नहीं, बल्कि जीतने के लिए यहां हैं। एक नई टीम के लिए यह सोचना आसान होता है कि इसमें समय लगेगा, लेकिन हमारा ऐसा कभी दृष्टिकोण नहीं रहा। यह विश्वास सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि पूरी टीम का है।

भगदड़ में मारे गए लोगों की याद में अभ्यास के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे आरसीबी के खिलाड़ी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाड़ी पिछले साल टीम की जीत के जश्न के दौरान भगदड़ में मारे गए 11 लोगों की याद में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में मैच से पहले अभ्यास के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। आरसीबी ने पिछले साल पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। इस जीत के जश्न के लिए चार जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में समारोह का आयोजन किया गया था। सुरक्षा की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण भगदड़ मच गई जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद आरसीबी को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के सीईओ राजेश मेनन ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, ''मैच वाले दिन खिलाड़ी अभ्यास के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। मैच के दौरान वे अपनी जर्सी नंबर में ही नजर आएंगे।

मंधाना दूसरे स्थान पर कायम, हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंची

एजेंसी

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई है। दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की। रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

संक्षिप्त समाचार

पोंटिंग ने पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों से पिछले साल से आत्मविश्वास लेने का आग्रह किया

नयी दिल्ली। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों से शारीरिक, तकनीकी और मानसिक रूप से चुस्त रहने के साथ ही पिछले साल के उनके शानदार प्रदर्शन से आत्मविश्वास लेने की सलाह दी है। पंजाब किंग्स पिछले साल एक दशक बाद आईपीएल फाइनल में पहुंची थी, लेकिन खिताबी मुकाबले में उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से शिकस्त का सामना करना पड़ा। इससे टीम का आईपीएल चैंपियन बनने का ख्वाब पूरा नहीं हो सका। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम ने जिस दबदबे वाली खेल शैली का प्रदर्शन किया था उसे जारी रखते हुए पंजाब किंग्स इस साल आईपीएल में सबसे मजबूत टीमों में से एक बन सकती है फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में पोंटिंग के हवाले से कहा गया है, ''यह प्रशिक्षण है, यह तैयारी है। यह 31 तारीख को होने वाले पहले मैच के लिए खुद को शारीरिक, तकनीकी और मानसिक रूप से तैयार करने के बारे में है। पंजाब किंग्स 31 मार्च को मुल्लांपुर में सत्र के अपने पहले मैच में गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी। पोंटिंग ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि आप पीछे मुड़कर देखें और सोचें कि आपने पिछले साल इस टीम में क्या योगदान दिया और उसी ने हमें एक अच्छी टीम बनाया। इस दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई कोच ने अपने खिलाड़ियों से कहा कि टीम की योजना पर टिके रहते हुए, अगर असफलता भी मिलती है, तो उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम सब गलतियां करते हैं। यह ठीक है। इस दौरान मुझसे भी गलतियां होंगी। आप सब भी गलतियां करेंगे, कैच छोड़ेंगे, खराब शॉट खेलेंगे, खराब ओवर फेंकेंगे। इस पूर्व दिग्गज ने कहा, ''लेकिन जब तक आप अपने खेल की रणनीति पर कायम हैं, अगर आप कोई गलती करते हैं, तो मेरी नजर में वह गलती नहीं है। खेल में ऐसा होता रहता है, यह खेल का हिस्सा है।

श्रीलंका ने आईपीएल के लिए ईशान मलिंगा को मंज़ूरी दी, हसरंगा और पथिराना को इंतज़ार करना पड़ेगा

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने ईशान मलिंगा को आईपीएल में हिस्सा लेने की मंज़ूरी दे दी है, लेकिन बाकी तीन ऽ नुवान तुषारा, वानिंदु हसरंगा और मथीशा पथिराना ऽ के बारे में अभी कोई अपडेट नहीं है, जो 28 मार्च से शुरू होने वाली लीग में हिस्सा लेने के लिए अभी भी श्रीलंकाई बोर्ड से मंज़ूरी का इंतज़ार कर रहे हैं। एक फ्रेंचाइजी अधिकारी ने क्रिकबज़ को कन्फ़र्म किया कि मलिंगा (25), जो दाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ हैं, मंगलवार (24 मार्च) को सनराइज़र्स टीम को रिपोर्ट करेंगे। मलिंगा अपने साथी श्रीलंकाई खिलाड़ी कामिंडू मेंडिस के साथ हैदराबाद पहुंचेंगे, जो 27 साल के बाएं हाथ के बैट्समैन हैं और जिन्हें पहले ही एनओसी मिल चुकी है। माना जा रहा है कि हसरंगा (एलएसजी) और पथिराना (केकेआर) को सोमवार को फिटनेस टेस्ट में शामिल होने का मौका नहीं मिला, जिसका मतलब है कि आईपीएल 2026 के लिए उनके भारत आने में देरी होगी। क्रिकबज ने पहले बताया था कि पथिराना, जिन्हें केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में साइन किया है, इस सीज़न का कुछ हिस्सा मिस करने वाले हैं, क्योंकि फ्रेंचाइजी उनके पूरी तरह ठीक होने का इंतज़ार करना चाहती है, न कि उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना चाहती है। एलएसजी को अपने 2 करोड़ रुपये के रिक्रूट हसरंगा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 31 साल के पेसर तुषारा के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। एसएलसी ने हाल ही में एक बयान जारी कर कहा, ल्ल्ररुख्र में हिस्सा लेने के लिए नुवान तुषारा की नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की एलिजिबिलिटी उनके फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट के नतीजे पर निर्भर करेगी।ङ्क सोमवार (23 मार्च) तक उनका एनओसी स्टेटस साफ़ नहीं है। लेकिन आईपीएल में दूसरे श्रीलंकाई खिलाड़ी, दुष्मंत चमीरा और पथुन निसंका (दोनों डीसी) के साथ-साथ हाल ही में आरआर में शामिल हुए दासुन शनाका को क्लियर कर दिया गया है। कमिंस 24 मार्च को बेंगलुरु पहुंचेंगे; किशन कैप्टन्स मीट में शामिल होंगे इस बीच, सनराइजर्स के अधिकारियों ने बताया है कि रेगुलर कैप्टन पैट कमिंस मंगलवार (24 मार्च) को बेंगलुरु पहुंचेंगे, तब तक बाकी टीम के शहर पहुंचने की उम्मीद है। एसआरएच का मुकाबला 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल के पहले मैच में होम टीम और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स से होगा। फ्रेंचाइजी ने यह भी कन्फर्म किया है कि स्टैंड-इन कप्तान ईशान किशन 25 मार्च को मुंबई में कप्तानों की मीटिंग में शामिल होंगे। सभी 10 टीमों के कप्तानों का आईपीएल और ब्रॉडकास्टर्स के साथ छह घंटे का मीटिंग शेड्यूल है, जो दोपहर 12 बजे फोटो-ऑप से शुरू होगा और शाम 4:30 बजे से शाम 6 बजे तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों के साथ मीटिंग में खत्म होगा।

सत्वा ग्रुप बेंगलुरु में विकसित करेगी आवासीय परियोजना, 8,600 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

नयी दिल्ली। मकान, दुकान के विकास से जुड़ी रियल एस्टेट कंपनी सत्वा ग्रुप ने मंगलवार को बेंगलुरु में नई आवासीय परियोजना शुरू करने की घोषणा की। कंपनी को इस परियोजना से 8,600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने उत्तरी बेंगलुरु में 50 एकड़ में फैली 'सत्वा सिटी' नाम से एक नई आवासीय परियोजना शुरू की है। पहले चरण में लगभग 2,500 आवासीय इकाइयां निर्मित की जाएंगी। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने परियोजना की लागत के बारे में नहीं बताया। लेकिन इस परियोजना की कुल राजस्व क्षमता 8,600 करोड़ रुपये से अधिक है। सत्वा ग्रुप के प्रबंध निदेशक बिजय अग्रवाल ने कहा, ''हमने वर्षों पहले इस जमीन की पहचान इस दृष्टिकोण के साथ की थी कि बेंगलुरु के लिए एक शहर-स्तरीय समुदाय का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा खुला और हरित क्षेत्र होगा। सत्वा समूह की बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, पुणे और गोवा में रिहायशी परियोजनाएं विकसित की हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये अनुष्का शर्मा भारतीय टीम में

नयी दिल्ली। अनुष्का शर्मा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 17 अप्रैल से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 क्रिकेट श्रृंखला के लिये पहली बार भारतीय महिला टीम में शामिल किया गया है।

श्रृंखला के मैच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में होंगे। शर्मा को डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले गुजरात जाइंट्स ने 45 लाख रूपये में खरीदा था। बाईस वर्ष की यह खिलाड़ी पिछले महीने बैंकॉक में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए टीम की सदस्य थी। आस्ट्रेलिया को 2-1 से हराने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही स्नेह राणा, अमनजोत कौर, जी कमलिनी और वैष्णवी शर्मा को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये टीम में जगह नहीं मिली है। तेज गेंदबाज काशवी गौतम को हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला जून जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिये अहम है।

किर्गिस्तान में एससीओ देशों के पहले यूथ डेल्फ़िक गेम्स में भारत ने ऐतिहासिक शुरुआत की

एजेंसी

बिश्केक(किर्गिस्तान)। भारत की सांस्कृतिक और कलात्मक यात्रा के लिए एक अहम पल में, 46 सदस्यों वाला भारतीय डेलीगेशन शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन (एससीओ) के सदस्य देशों के पहले यूथ डेल्फ़िक गेम्स में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक, किर्गिस्तान पहुँच गया है। यह किसी भारतीय कलाकारों की टीम का ग्लोबल कॉम्पिटिटिव फ़ॉर्मेट में पहली बार हिस्सा लेने का प्रतीक है, जो इंटरनेशनल सांस्कृतिक आंदोलन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। इस डेलीगेशन में, जिसमें पूरे भारत के 46 युवा कलाकार और इंटरनेशनल जूरी सदस्य शामिल हैं, पियानो, लोक गायन, लोक नृत्य, लोक संगीत, कला और शिल्प, और विज़ुअल आर्ट्स जैसे अलग-अलग विषयों में मुकाबला करेंगे, जो भारत की

सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता को दिखाएगा। डेलीगेशन को मॉडर्न पायथियन गेम्स के फाउंडर बिजेंद्र गोयल लीड कर रहे हैं, जिनकी दूर की सोच ने पायथियन गेम्स मूवमेंट को फिर से शुरू करने और ग्लोबल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एक खास बात यह है कि मिस्टर बिजेंद्र गोयल एससीओ मेंबर देशों के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में एक स्पेशल एड्रेस देंगे, जिसमें वे आर्ट्स, कल्चर और पारंपरिक खेलों के ज़रिए ग्लोबल कल्चरल कोलेबोरेशन को मज़बूत करने के अपने विजन को पेश करेंगे। डेलीगेशन के साथ अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी भी हैं, जिनकी मौजूदगी भारत के रिप्रेजेंटेशन को और मजबूत करती है और देश की कल्चरल डायवर्सिटी, खासकर नॉर्थईस्ट इलाके की डायवर्सिटी को हाईलाइट करती है। इस दौरे की एक खास बात भारतीय डेलीगेशन के सम्मान में बीरेंद्र सिंह यादव द्वारा होस्ट किया गया स्पेशल हाई टी रिसेप्शन था। एम्बेसडर ने पार्टिसिपेंट्स से पर्सनली बातचीत की, उन्हें गर्व और बेहतरीन तरीके से भारत को रिप्रेजेंट करने के लिए बढ़ावा दिया, साथ ही देशों के बीच रिश्तों को मज़बूत करने में कल्चरल डिप्लोमेसी के महत्व पर ज़ोर दिया।

आईपीएल : आकाशदीप और एडवर्डस की जगह दुबे और पेन विकल्प

नयी दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल से पहले चोटिल आकाश दीप और जैक एडवर्डस की जगह सौरभ दुबे और डेविड पेन को शामिल किया है। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। वह बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। आईपीएल मीडिया बयान में कहा गया ,'' बायें हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ केकेआर में आकाश की जगह लेंगे। वह 30 लाख रूपये में केकेआर से जुड़ेंगे। विदर्भ के 28 वर्ष के सौरभ ने अभी आईपीएल में पदार्पण नहीं किया है। वह पहले एसआरएच का हिस्सा थे। इस बीच इंग्लैंड के तेज गेंदबाज पेन को एसआरएच ने जैक एडवर्डस की जगह लिया है जो पैर की चोट के कारण बाहर हैं। उन्हें पहले एसआरएच ने तीन करोड़ रूपये में खरीदा था।

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन के इस्तीफ़े में उठाए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी कंपनी नियुक्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफ़े में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उनका इस्तीफा 18 मार्च से प्रभावी हो गया। यह पहली बार है, जब बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा दिया है, जिससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल खड़े हो गए। चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति के करीब एक साल बाद 5 मई, 2021 से अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन और वर्ष के लिए बढ़ाकर 4 मई, 2027 तक कर दिया गया था। चक्रवर्ती 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं।

साई पैरेंटेरल्स का आईपीओ खुला, 27 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल फॉर्मेशन तैयार करने वाली कंपनी साई पैरेंटेरल्स लिमिटेड का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ के लिए 988 आवेदनों के जरिये दो प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आ चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 372 से लेकर 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 38 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,896 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,93,648 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 494 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

पश्चिम एशिया में नरमी के संकेत के बावजूद ब्रेंट क्रूड का भाव 103 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में नरमी के संकेत के बावजूद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम में तेजी बनी हुई है। इसकी वजह ईरान का वह बयान है, जिसमें उसने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'सफल बातचीत' वाले दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। ब्रेंट करीब 103 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड लगभग 2.75 डॉलर (2.75 फीसदी) उछाल के साथ 102.69 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार ट्रेंड कर रहा है। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में भी तेजी देखने को मिल रही है, जो 2.77 डॉलर यानी करीब 3.14 फीसदी की बढ़त के साथ 90.90 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि जब तक होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से नहीं खुल जाता है, तब तक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता बनी रहेगी। इससे पहले पिछले सत्र में कच्चे तेल की कीमतों में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। यह गिरावट उस समय देखी गई जब ट्रंप ने ईरान पर हमलों को पांच दिन के लिए टालने की घोषणा की थी और ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति के संकेत मिले थे। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने वर्ष 2026 के लिए कच्चे तेल कीमतों के अपने अनुमान को बढ़ा दिया है। अब ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान जताया है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। इसी तरह, डब्ल्यूटीआई की कीमत 79 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 72 डॉलर के अनुमान से 9.72 फीसदी अधिक है।

हम सड़क परियोजनाओं के लिए हर साल जुटा सकते हैं आठ लाख करोड़ रुपये : गडकरी

मुंबई। राजमार्ग क्षेत्र में खर्च की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार सड़क परियोजनाओं के लिए हर साल आठ लाख करोड़ रुपये तक जुटा सकती है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से राजमार्ग निर्माण का बहुत महत्व है और इस पर अधिक खर्च करने से देश की आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे पर खर्च किया गया एक रुपया, अर्थव्यवस्था में तीन रुपये के बराबर की गतिविधियां पैदा करती हैं। एनएचएआई द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की बीएसई पर सूचीबद्धता के कार्यक्रम में गडकरी ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि हम खर्च करने में असमर्थ हैं। हमारे खर्च करने की गति बहुत धीमी है। उन्होंने कहा कि सरकार राजमार्ग क्षेत्र की मजबूत परिसंपत्तियों के आधार पर बाजार से हर साल पांच लाख करोड़ रुपये जुटा सकती है, इसके अलावा 3.2 लाख करोड़ रुपये का बजटीय सहयोग भी मिलता है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के पास स्थित द्वारका एक्सप्रेसवे परियोजना का उदाहरण देते हुए कहा कि यह बुनियादी ढांचे पर किए गए खर्च के सकारात्मक प्रभाव का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पहले जो इलाका जंगल था, उसने रियल एस्टेट में आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट लगातार जारी है। आज भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,29,900 रुपये प्रति

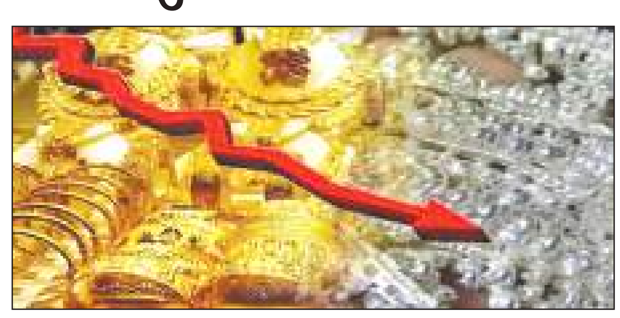

किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,790 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

चैत्र नवरात्र: छठवें दिन ललिता गौरी और मां कात्यायनी के दरबार में श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में वासंतिक चैत्र नवरात्र का छठवां दिन माता ललिता गौरी को समर्पित है। मातृशक्ति की आराधना में लीन श्रद्धालुओं ने परम्परानुसार छठवें दिन मंगलवार को नवदुर्गा के दर्शन के क्रम में संकठा घाट पर आत्माविश्वेश्वर मंदिर परिसर स्थित मां कात्यायनी देवी और गौरी स्वरूप में ललिता गौरी के दरबार में हाजिरी लगाई।

भोर से ही श्रद्धालु देवी के दोनों स्वरूप के दरबार में पहुंचते रहे। दोनों देवी मंदिरों में मंगला आरती के बाद शुरू हुआ दर्शन-पूजन का क्रम देर रात तक चलता रहेगा। मां कात्यायनी के दरबार में महिलाओं की भीड़ ज्यादा दिखी। दोनों मंदिरों में मंगला आरती के पहले मां के विग्रह को पंचामृत व गंगाजल से स्नान कराया गया। विधि-विधान से आरती पूजन के बाद मंदिरों का पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिया गया। मां कात्यायनी के बारे में मान्यता है कि देवताओं की कार्य सिद्धि के लिए भगवती महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई थीं। महर्षि ने उन्हें कन्या का स्थान दिया। इसलिए देवी कात्यायनी के नाम से विख्यात हुईं। 'देवानाम् कार्यसिद्धर्थ माविर्भवति सायदा' अर्थात देवताओं का कार्य सिद्ध करने के उद्देश्य से भगवती समय-समय पर अनेक रूपों में अवतरित हुईं है। तीन नेत्रों से विभूषित माता के मुख पर सौम्यता है। इनका ध्यान करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। माता महाभय से भक्त की रक्षा करती हैं। देवी पुराण, स्कंद पुराण में भगवती देवी के इस स्वरूप की महिमा का विस्तृत रूप से बखान किया गया है। इसी तरह नवगौरी के छठवें स्वरूप ललिता घाट स्थित मां ललिता गौरी भी देवताओं की मनोकामना पूर्ण करने के लिए प्रकट हुई। माता के इस अद्भुत रूप के दर्शन मात्र से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। ललिता गौरी, ललिता तीर्थ क्षेत्र की रक्षा करती हैं। श्रद्धालुओं के विघ्न को हरती हैं। मान्यता है कि ललिता गौरी के आराधना से व्यक्ति को ललित कलाओं में विशेष उपलब्धि प्राप्त होती है। देवी को अड़हुल का फूल विशेष रूप से प्रिय है। माता के दरबार में दर्शन पूजन के लिए आई चौखंभा चौक की पलाश अग्रवाल,सौम्या गुजराती,निरंजना अग्रवाल ने बताया कि माता को हल्दी और कुमकुम चढ़ाने से सभी मनोकामनाए पूर्ण होती है। खास तौर से माता को हल्दी और कुमकुम का लेपन करने से कुवारी कन्याओं को मन चाहा वर मिलता है। हमलोगों ने घर परिवार में सुख शांति और वंश वेल में वृद्धि की कामना से माता के चौखट पर हाजिरी लगाई है। धूप, दीप, नैवैद्य , नारियल , पुष्प माँ के चरणों में अर्पित कर शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है।

जौनपुर के चिकित्सकों का ग्लोबल कीर्तिमान, 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हुई भागीदारी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर के चिकित्सकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जिले का मान बढ़ाया है। उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (यूएनएस एएसएमसी) की चीफ प्रॉक्टर डॉ. रुचिरा सेठी और असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. आदर्श कुमार यादव ने गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज एक वैश्विक सत्र का हिस्सा बनकर चिकित्सा क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा आयोजित 'एआई इन हेल्थकेयर' विषयक विशेष सत्र से जुड़ी है। इस सत्र को विश्व भर में एक साथ 17,999 दर्शकों ने लाइव देखा, जिसे हेल्थकेयर लेसन की सबसे बड़ी लाइव स्ट्रीम के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान प्राप्त हुआ। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' अभियान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तकनीकी रूप से सक्षम उत्तर प्रदेश के विजन के अनुरूप मानी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से आम लोगों को बेहतर और सटीक इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा प्रदत्त मेडल और प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने दोनों चिकित्सकों को मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान के लिए गर्व का विषय है और इससे जौनपुर की चिकित्सा सेवाओं को वैश्विक पहचान मिलेगी। डॉ. रुचिरा सेठी और डॉ. आदर्श यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की नीतियों और संस्थान के मार्गदर्शन को देते हुए भविष्य में तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री ने बैठक कर तय की जिम्मेदारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 28 मार्च को होने वाले उद्घाटन समारोह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा को उत्तर प्रदेश भाजपा ऐतिहासिक बनाने में जुट गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और इलाके का एक एककार्यकर्ता इसकी तैयारी में जुटा है। मंगलवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल ने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचकर वहां पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों तथा नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इससे पूर्व 22 मार्च को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया था।

दरअसल, आगामी 28 मार्च को जेवर में नवनिर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री की रैली को संबोधित करेंगे। इन दोनों कार्यक्रमों को ऐतिहासिक और सफल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने जेवर पहुंचकर सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, नोएडा विधायक पंकज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, नोएडा महानगराध्यक्ष महेश चौहान के अलावा अलीगढ़ व गाजियाबाद के जनप्रतिनिधि शामिल रहें। बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा, जनसहभागिता, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर गहन चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्व सौंपते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि आयोजन पूर्णतः सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं ऐतिहासिक स्वरूप में संपन्न हो। बैठक में कहा गया कि 28 मार्च का दिन जनपद गौतमबुद्ध नगर के लिए एक स्वर्णिम अवसर होगा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे।

नेताओं ने कहा कि यह केवल एक एयरपोर्ट का उद्घाटन नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला ऐतिहासिक क्षण होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम की सफलता के किए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए निरंतर निगरानी रखी जाएगी। जेवर में बैठक करने के बाद उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन के महामंत्री धर्मपाल ने बुलंदशहर और हापुड़ जनपद में जाकर भी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस संबंध में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि उद्घाटन समारोह में एक लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है। इसको लेकर हर स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर भव्य पांडाल तैयार किया जा रहा है। हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी गई है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि वर्ष '2021 में इसका शिलान्यास किया गया था और 2026 में इसका लोकार्पण किया जा रहा है। यह अपने आप में एक संपूर्ण एयरपोर्ट होगा, जहां एमआरओ (हवाई जहाजों के रिपेयर की सुविधा), कार्गो (सामान ले जाने की सुविधा) और यात्री सेवा तीनों ही एक छत के नीचे उपलब्ध होंगी।' एयरपोर्ट के साइज को लेकर उन्होंने कहा कि 'यह दिल्ली के एयरपोर्ट से लगभग ढाई गुना बड़ा है। वहीं मुंबई के एयरपोर्ट से यह लगभग तीन गुना बड़ा है। एशिया के अंदर यह पहला बड़ा एयरपोर्ट होगा।

हिंदू नववर्ष पर संस्कार भारती का सांस्कृतिक आयोजन, कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में विसर्जन घाट पर सोमवार देर रात संस्कार भारती के तत्वावधान में हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ,जिसमें प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चंद्र यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के सदस्यों द्वारा ध्येय गीत की प्रस्तुति से हुई। संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर आचार्य कमलेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास और कार्यों पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ. नरेंद्र पाठक और उनके छात्रों ने प्रभावशाली संघ गीत प्रस्तुत किया, जिसमें तबले पर डॉ. अवधेश यादव और हारमोनियम पर प्रदीप श्रीवास्तव ने संगत दी।

इस अवसर पर अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. ज्योति दास ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुष्कर मिश्र, देव मिश्र और दीपक मिश्रा ने तबला वादन प्रस्तुत किया। इसके बाद बनारस से आए कलाकारों ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसमें गणेश वंदना और आनंद तांडव विशेष आकर्षण रहे। ब्रज क्षेत्र से आईं लोक कलाकार सीमा मोरवाल और उनकी टीम ने देवी वंदना, मयूर नृत्य, लट्ठमार होली और फूलों की होली की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने अपने संबोधन में कला और संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। अंत में महामंत्री अमित गुप्ता ने आभार व्यक्त किया और 'वंदे मातरम्' के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

औरैया में यमुना जयंती पर विश्रांत घाट में हुई भव्य आरती, श्रद्धालुओं ने किया दीपदान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। चैत्र नवरात्रि की छठ के पावन अवसर पर मनाई जाने वाली यमुना जयंती के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया स्थित यमुना तट के प्राचीन विश्रांत घाट पर भव्य यमुना आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ल्लएक विचित्र पहल सेवा समितिङ्क द्वारा अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में मंगलवार सुबह श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

इस धार्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद औरैया के अध्यक्ष अनूप कुमार गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवकुमार पुरवार मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से यमुना मैया की पूजा-अर्चना की। शंख और घंटों की गूंज के बीच जब आरती शुरू हुई तो पूरा घाट भक्ति के रंग में रंग गया और ल्लजय यमुना मैयाङ्क के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने यमुना नदी के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यमुनोत्री से निकलने वाली यमुना नदी का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है और मान्यता है कि यमुनोत्री धाम की यात्रा किए बिना तीर्थ यात्रा अधूरी मानी जाती है। महिला शाखा ल्लतुलसी सखी ग्रुपङ्क की अध्यक्ष लक्ष्मी विश्नोई ने पौराणिक मान्यताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि यमराज और यमुना, सूर्य देव की संतान हैं। मान्यता है कि यमराज ने यमुना को यह वरदान दिया था कि जो भी भक्त यमुना में स्नान करेगा, उसे यमलोक के कष्टों से मुक्ति मिलेगी। आरती के उपरांत श्रद्धालुओं ने दीपदान कर अपने और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और सुरक्षा की कामना की। यमुना तट पर जलते दीपों की जगमगाहट ने पूरे वातावरण को अलौकिक बना दिया। इस अवसर पर मंजू गुप्ता, मंगला शुक्ला, प्रिया गुप्ता, अंशु दीक्षित, रानी पोरवाल, मिथिलेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन ने जनपद में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित किया।

सेवा भारती मछलीशहर की जिला कार्यसमिति घोषित, डॉ आर.बी. चौहान बने जिलाध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सेवा भारती, मछलीशहर इकाई की जिला कार्यसमिति घोषित कर दी गयी है। क्षेत्र सेवा प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश के युद्धवीर की संस्तुति के उपरांत काशी प्रांत के प्रांत सहसेवा प्रमुख पवन ने मंगलवार को बैठक में नई कार्यसमिति की घोषित की। डॉ विनय कुमार त्रिपाठी, विभाग उपाध्यक्ष जौनपुर द्वारा जारी 25 पदाधिकारियों की सूची में ब्रह्मदेव उपाध्याय को संरक्षक, डॉ आर.बी. चौहान को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद पर ओम प्रकाश तिवारी, डॉ ए.के. तिवारी और संतोष बिंद को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महामंत्री के रूप में विभव सिन्हा और सौरभ दुबे, जबकि मंत्री पद पर संगम, परमानंद और नितेश सेठ को नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष रणजीत यादव, संपर्क प्रमुख मोलू जायसवाल, किशोरी विकास प्रमुख बीना सिंह तथा प्रचार प्रमुख के रूप में जय प्रकाश तिवारी को दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त संजय सिंह को स्वावलंबन प्रमुख, डॉ कोविदेंद्र को स्वास्थ्य आयाम प्रमुख, सुशील मिश्रा को अध्ययन प्रमुख और अशोक सरोज को सामाजिक आयाम प्रमुख बनाया गया है। बैठक की अध्यक्षता डॉ तेज सिंह ने की, जबकि डॉ वेद प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठन के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविंद ने किया। अंत में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ आर.बी. चौहान ने आभार व्यक्त किया।

चौकियां धाम में मां शीतला का भव्य श्रृंगार, गुलाब-नीबू की माला से सजकर भक्तों को दिए दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

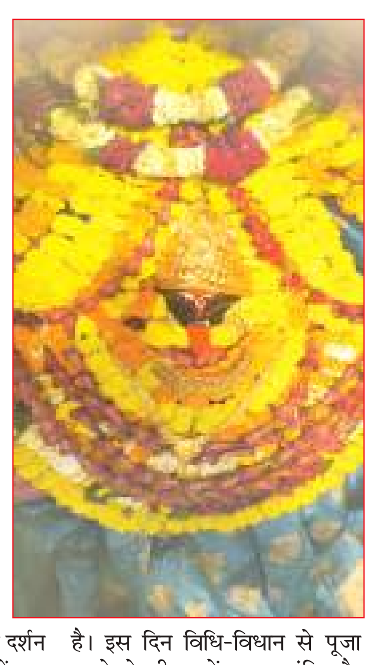

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित शीतला चौकियां धाम में चैत्र नवरात्र के छठे दिन मंगलवार को मां शीतला की विशेष पूजा-अर्चना श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।पूजा-अर्चना से पूर्व मां दुर्गा के शीतला स्वरूप का भव्य श्रृंगार किया गया। मां को लाल गुलाब और नीबू की आकर्षक माला पहनाई गई, साथ ही लाल चुनरी और लाल-सुनहरे वस्त्रों से सजाया गया। देवी को सोने-चांदी के आभूषणों से अलंकृत कर दिव्य स्वरूप प्रदान किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े।भक्तों द्वारा मां को सीताफल, केला और बर्फी का भोग अर्पित किया गया। सुबह मंदिर के कपाट खुलने से पहले ही दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लग गई थीं। श्रद्धालु हाथों में नारियल, चुनरी और प्रसाद लेकर मां के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।मंदिर के महंत विवेकानंद पंडा ने बताया कि उदया तिथि के अनुसार सप्तमी तिथि पर मां कालरात्रि की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने श्रद्धालुओं को नवरात्र के धार्मिक महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।पूरे मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, घंटों की ध्वनि और जयकारों से माहौल गूंजता रहा। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

रामनवमी पर अयोध्या में बसते हैं सभी तीर्थ

■ आस्था और पुराणों की मान्यता से जुड़ी अद्भुत परंपरा, भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सनातन मूल्यों का जीवंत उत्सव है रामनवमी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। मर्यादा, धर्म और आदर्शों के प्रतीक भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में मनाई जाने वाली रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सनातन सभ्यता की हजारों वर्ष पुरानी आध्यात्मिक स्मृति का उत्सव है। संत परंपरा और पुराणों में मान्यता है कि रामनवमी के दिन ब्रह्मांड के सभी पवित्र तीर्थ अयोध्या में आकर विराजते हैं। इसलिए यह दिन केवल जन्मोत्सव नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की अनंत धारा का प्रतीक माना जाता है।

प्रो. ब्रजभूषण त्रिपाठी ने खास बातचीत में कहा कि रामनवमी के दिन अयोध्या में सभी तीर्थों के वास की मान्यता केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि सनातन युग से चली आ रही उस आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक है, जिसने भारतीय सभ्यता को हजारों वर्षों तक जीवित और सशक्त बनाए रखा। जब अयोध्या में जय श्रीराम का उद्घोष गूंजता है तो वह केवल एक उत्सव नहीं होता, सनातन संस्कृति की अमर चेतना का उत्सव बन जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान श्रीराम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक पात्र नहीं, बल्कि सनातन युग के आदर्शों के जीवंत प्रतीक माने जाते हैं। त्रेतायुग में उनका अवतार केवल एक राजकुमार के जन्म की घटना नहीं था, बल्कि धर्म, मर्यादा और न्याय के उस मार्ग की स्थापना थी, जिसने भारतीय सभ्यता को हजारों वर्षों तक दिशा दी। सनातन परंपरा में अयोध्या को दिव्य और मोक्षदायिनी नगरी माना गया है। प्राचीन ग्रंथों में इसे देवताओं की प्रिय नगरी और धर्म की राजधानी के रूप में वर्णित किया गया है। स्कंद पुराण और पद्म पुराण में वर्णन मिलता है कि रामनवमी के दिन अयोध्या में किए गए स्नान, जप और दान का फल अनेक तीर्थों के दर्शन के समान होता है। संत परंपरा के अनुसार जब भगवान श्रीराम का अवतरण हुआ, तब देवता, ऋषि और पवित्र नदियां भी इस दिव्य क्षण के साक्षी बनने अयोध्या पहुंचे थे। इसी से यह विश्वास प्रचलित हुआ कि रामनवमी के दिन सभी तीर्थों का वास अयोध्या में होता है।

सनातन संस्कृति के दिव्य क्षण का अनुभव कराएगी अयोध्या

रामनवमी के दिन अयोध्या का दृश्य मानो प्राचीन सनातन युग की स्मृतियों को जीवंत कर देता है। सरयू के तट पर आस्था की लहरें उठती हैं, मंदिरों में भजन-कीर्तन गूंजते हैं और पूरे नगर में जय श्रीराम का उद्घोष वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है। लाखों श्रद्धालु सरयू में स्नान कर प्रभु के दर्शन करते हैं और उस दिव्य क्षण का अनुभव करते हैं, जब सनातन संस्कृति का सबसे उज्ज्वल आदर्श इस धरती पर अवतरित हुआ था।

रामनवमी पर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ेगी सनातनी दुनिया

समय बदला, युग बदले, लेकिन सनातन संस्कृति की यह परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत है। आज भी रामनवमी के दिन अयोध्या में उमड़ने वाली आस्था केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में बसे करोड़ों लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है। डिजिटल युग में भी अयोध्या से प्रसारित होने वाले राम जन्मोत्सव के दृश्य दुनिया के अनेक देशों तक पहुंचते हैं और भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक शक्ति का संदेश देते हैं।

विश्वस्तर पर भारतीय संस्कृति की पहचान

आज श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या का यह पर्व केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। दुनिया के कोने-कोने में बसे भारतीय मूल के लोग रामनवमी को उसी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाते हैं। डिजिटल युग में अयोध्या से प्रसारित होने वाले राम जन्मोत्सव के दृश्य, भजन-कीर्तन और सरयू घाट की दिव्यता दुनिया भर में करोड़ों लोगों तक पहुंचती है। सबके राम, सबमें राम का संदेश आज सिर्फ धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बन चुका है। भारतीय संस्कृति न केवल इतिहास में महान रही, बल्कि आज भी उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सनातन मूल्यों की गूंज पूरी दुनिया तक पहुंच रही है।